दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 206
मुरादाबाद
(Tuesday)
17 November 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी का फिलीपींस दौराः मनीला एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत, दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

दृढ़ संकल्प-साधना का अद्भुत संगमः छठ के अंतिम दिन घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, पीएम मोदी ने दी बधाई





चार दिवसीय छठ महापर्व का सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ समापन हुआ। अंतिम दिन देशभर के घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। पीएम नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को बधाई देते हुए छठ को दृढ़ संकल्प और आध्यात्मिक साधना का अद्भुत संगम बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को चार दिवसीय छठ महापर्व के अंतिम दिन देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छठ पर्व को दृढ़ संकल्प और आध्यात्मिक साधना का अद्भुत संगम बताया। सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय छठ पूजा का समापन हो गया। इस अवसर पर देशभर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु छठ घाटों, नदियों और तालाबों के किनारे जुटे और अंतिम पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करने के साथ आज महापर्व छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान संपन्न हुआ। प्रकृति को समर्पित इस दिव्य उत्सव में दृढ़ संकल्प और आध्यात्मिक साधना का अद्भुत संगम देखने को मिला। छठी मइया से विनती है कि वे सभी व्रतियों के साथ-साथ देशभर के मेरे परिवारजनों को अपना शुभाशीष प्रदान करें।छठ पूजा के सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठानों में उषा अर्घ्य शामिल है। इस पर्व में डूबते और उगते, दोनों सूर्य की उपासना की जाती है। शाम को दिया गया संध्या अर्घ्य अस्त होते सूर्य के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का प्रतीक है, जबकि अगले दिन सुबह उषा अर्घ्य के दौरान उगते सूर्य का स्वागत किया जाता है और उनकी ऊर्जा को नमन किया जाता है।सोमवार तड़के ही श्रद्धालु नदियों, तालाबों और अन्य जलाशयों के किनारे पहुंचने लगे थे। उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद छठी मइया की पूजा की गई और फिर व्रतियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार व्रत का पारण किया। इसी के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व संपन्न हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय दौरे पर फिलीपींस की राजधानी मनीला पहुंचे, जहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया गया। वह 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य दक्षिण-पूर्व और पूर्वी एशियाई देशों के साथ भारत के संबंध मजबूत करना है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को फिलीपींस के तीन दिवसीय दौरे पर मनीला पहुंचे। इस दौरान मनीला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका भव्य स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए फिलीपींस के तीन दिवसीय दौरे पर हैं।पीएम मोदी की इस यात्रा का उद्देश्य दक्षिण-पूर्व एशिया और पूर्वी एशिया के देशों के साथ संबंधों को मजबूत करना और क्षेत्रीय व वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा करना है। पीएम मंगलवार को 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। वह फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर के निमंत्रण पर वहां पहुंचे हैं।मनीला रवाना होने से पहले सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आसियान देशों के साथ भारत के संबंध उसकी एक्ट ईस्ट नीति के केंद्र में हैं और महासागर विजन में भी इनका महत्वपूर्ण स्थान है। महासागर का पूरा नाम म्यूचुअल एंड होलिस्टिक एडवांसमेंट फॉर सिक्योरिटी एंड ग्रोथ अक्रॉस रीजन है। इसका अर्थ विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए आपसी और समग्र प्रगति है। यह भारत का विस्तारित वैश्विक समुद्री सिद्धांत है।अपने प्रस्थान वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में अन्य नेताओं के साथ मिलकर व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत हुई प्रगति को आगे बढ़ाने और विकास, संपर्क तथा समृद्धि से जुड़ी साझा आकांक्षाओं को नई गति देने के लिए उत्सुक हैं।आसियान के हैं 11 सदस्य देश-1967 में स्थापित आसियान को इस क्षेत्र के सबसे प्रभावशाली समूहों में से एक माना जाता है। इसके 11 सदस्य देश हैं। इनमें ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, तिमोर-लेस्ते और वियतनाम शामिल हैं। भारत के अलावा अमेरिका, चीन, जापान और ऑस्ट्रेलिया समेत कई अन्य देश आसियान के संवाद साझेदार हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता पर होगी चर्चा-प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच उपलब्ध कराएगा। इसमें वह हिस्सा लेने वाले नेताओं के साथ हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सहयोग को मजबूत करने पर विचार साझा करेंगे सूर्यदेव और छठी मइया की पूजा का विशेष महत्व-धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, छठ के अंतिम दिन सूर्यदेव और छठी मइया की पूजा करना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे परिवार में सुख, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद मिलता है। श्रद्धालु अपने प्रियजनों की खुशहाली और परिवार के कल्याण की कामना के साथ पूरी आस्था और अनुशासन से इस पर्व के अनुष्ठान करते हैं।सुबह के अनुष्ठानों के तहत व्रती पवित्र स्नान करते हैं और पारंपरिक पूजा सामग्री लेकर घाटों की ओर जाते हैं। सूर्योदय के समय जल में खड़े होकर भगवान सूर्य को जल और दूध से अर्घ्य अर्पित किया जाता है। इस दौरान छठी मइया की पूजा, परिवार के सदस्यों के अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना तथा पारंपरिक छठ गीतों का गायन भी किया जाता है।परिवारों और श्रद्धालुओं के समूहों की मौजूदगी से भक्तिमय माहौल बना रहता है। उगते सूर्य को अंतिम अर्घ्य और पूजा के अन्य अनुष्ठान पूरे होने के बाद व्रती परिवार के सदस्यों से आशीर्वाद लेते हैं।प्रसाद ग्रहण कर व्रती करते हैं पारण-उषा अर्घ्य और पूजा के सभी अनुष्ठान पूरे होने के बाद व्रती अपने परिवार की परंपराओं और रीति-रिवाजों के अनुसार प्रसाद ग्रहण कर व्रत खोलते हैं। इसे पारण कहा जाता है। इसी के साथ छठ का कठिन व्रत पूरा होता है, जिसे श्रद्धालु चार दिनों तक कड़े अनुशासन, नियमों और पूरी श्रद्धा के साथ रखते हैं।

संक्षिप्त समाचार

'डीजे पर रोक क्यों?': केरल हाईकोर्ट ने उठाए सवाल, पुलिस से पूछा- बार में शराब की छूट, तो डांस पर पाबंदी क्यों?

केरल हाईकोर्ट ने डीजे पार्टियों और नाइट लाइफ पर पुलिस की पाबंदियों को अव्यावहारिक बताते हुए सवाल उठाए। अदालत ने पूछा कि शराब परोसने की अनुमति है तो डांस और संगीत पर रोक क्यों? कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि डीजे पार्टियों को नियंत्रित करने के लिए क्या कोई कानून है।केरल उच्च न्यायालय ने सोमवार को सवाल उठाया कि पुलिस किस आधार पर राज्य में डीजे पार्टियों और नाइट-लाइफ को निशाना बना रही है। अदालत ने कहा कि ऐसी गतिविधियों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाना अव्यावहारिक और अत्यधिक है। न्यायमूर्ति देवन रामचंद्रन और न्यायमूर्ति बसंत बालाजी की पीठ, राज्य की उस अपील पर सुनवाई कर रही थी जो 10 नवंबर के एक एकल-न्यायाधीश के फैसले के खिलाफ दायर की गई थी। उस फैसले में कहा गया था कि पुलिस उन प्रतिष्ठानों में डीजे पार्टियों के समय पर पाबंदी नहीं लगा सकती, जिनके पास शराब बेचने के वैध लाइसेंस हैं और जो देर रात तक काम करने के लिए अधिकृत हैंजस्टिस रामचंद्रन ने आज सवाल उठाया कि आखिर डीजे पार्टियों को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्रवाई ऐसी रूढ़िवादी सोच पर आधारित लगती है, जो नाइट-लाइफ को नशीले पदार्थों के सेवन से जोड़कर देखती है। अदालत ने कहा कि डिस्क जॉकी (डीजे) का काम एक पेशा है और इसे इसी रूप में देखा जाना चाहिए।

अखिलेश बोले- पीडीए का 'डी' अब दमदार दलित, लाल-नीली टोपी होगी एकजुट



आगरा के दलित सम्मेलन में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 2027 के विधानसभा चुनाव को 95 प्रतिशत पीड़ित और अपमानित समाज बनाम पांच प्रतिशत की लड़ाई बताया। उन्होंने PDA में D का अर्थ दमदार दलित बताते हुए लाल और नीली टोपी के एकजुट होने का संदेश दिया।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को जीआईसी मैदान में आयोजित दलित सम्मेलन में कहा कि 2027 का विधानसभा चुनाव 80-20 नहीं, बल्कि पांच प्रतिशत के खिलाफ 95 प्रतिशत पीड़ित और अपमानित समाज की लड़ाई होगा। उन्होंने दावा किया कि पीडीए में डी का मतलब अब दमदार दलित हो गया है। समाज को जोड़ने के लिए लाल टोपी के साथ नीली टोपी भी आ रही है।

सपा प्रमुख ने कहा कि जो लोग खुद को 80-20 की राजनीति से जोड़ते हैं, वे सभी का भला नहीं सोच सकते। सच्चा योगी वही है जो शत-प्रतिशत लोगों की चिंता करे। गंगाजल से घर और मंदिर धुलवाने जैसी घटनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पीड़ा और तिरस्कार झेलने वाला समाज ही एक-दूसरे का दर्द समझ सकता है।उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की लगभग 200 प्रतिमाएं तोड़ी गईं लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आश्वस्त किया कि सपा सरकार बनने पर प्रतिमाएं तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कानून बनाया जाएगा। एससी-एसटी समाज के उत्थान के लिए विशेष पैकेज लाया जाएगा।पेपर लीक और स्कूल बंद करना आरक्षण छीनने की साजिश- सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दलित सम्मेलन में प्रदेश सरकार पर आरक्षण छीनने की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में 26 हजार प्राइमरी स्कूल बंद किए जाने से गरीब और पीडीए समाज के बच्चों की शुरुआती पढ़ाई प्रभावित होने के साथ-साथ शिक्षकों की सरकारी नौकरियां भी समाप्त हो गई हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 20 से अधिक परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं और नीट जैसी परीक्षाएं भी प्रभावित रहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक अपने आप नहीं होते, बल्कि सरकार से जुड़े लोग जानबूझकर ऐसा कराते हैं ताकि परीक्षाएं रद्द हों और दलित व पिछड़े वर्ग के युवाओं को नौकरी और आरक्षण न देना पड़े।युवाओं की नाराजगी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आज की नई पीढ़ी यानी जेन-जी और जेन-अल्फा भी सरकार की नीतियों के खिलाफ खड़ी है। उन्होंने दावा किया कि सरकारी विभागों में खाली पड़े सभी पदों को भरकर युवाओं को सम्मानजनक रोजगार देना समाजवादी पार्टी की प्राथमिकता होगी।

'आप इस कुर्सी के लायक नहीं': सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत पर भड़का वकील;कोर्ट रूम से बाहर निकाला गया



सुप्रीम कोर्ट में एक मामले की जल्द सुनवाई की मांग को लेकर पहुंचे वकील और पीठ के बीच बहस हो गई। 15 दिन से जवाब नहीं मिलने की बात कहते हुए वकील ने नाराजगी जताई। देखते ही देखते मामला व्यक्तिगत टिप्पणियों तक पहुंच गया।सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक असाधारण घटनाक्रम देखने को मिला। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले एक वकील को कोर्ट रूम से बाहर ले जाया गया। वकील ने सुनवाई के दौरान सीजेआई पर व्यक्तिगत टिप्पणी करते हुए कहा कि वह इस पद पर बैठने के योग्य नहीं हैं। घटना के बाद अदालत की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग बंद कर दी गई। 2 नवंबर को दिए आवेदन पर जवाब न मिलने से नाराज थे वकील- यह मामला तब शुरू हुआ जब वकील ने अपने केस की तत्काल सुनवाई की मांग की। उन्होंने बताया कि 2 नवंबर को उन्होंने सीजेआई सूर्यकांत के कार्यालय में अपना मामला रखा था, लेकिन 15 दिन बीतने के बाद भी उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। वकील ने कहा कि इसी वजह से उन्हें अदालत के सामने आना पड़ा। उन्होंने शुरुआत में दोपहर दो बजे मामले का उल्लेख करने और निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं करने के लिए माफी भी मांगी। इस पर न्यायमूर्ति वी. मोहना ने कहा कि इस तरह किसी मामले का उल्लेख नहीं किया जा सकता। हालांकि, वकील अपनी बात पर अड़े रहे और पीठ से दस्तावेज देखने का अनुरोध करते रहे।पीठ में सीजेआई सूर्यकांत के अलावा न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी मौजूद थे। सीजेआई ने वकील से इंतजार करने को कहा और आश्वासन दिया कि उनके कागजात देखे जाएंगे। लेकिन वकील इंतजार करने को तैयार नहीं हुए। उन्होंने सीजेआई पर व्यक्तिगत टिप्पणी करते हुए कहा, %नहीं, मैं इंतजार नहीं करूंगा। आप उस कुर्सी पर नहीं बैठ सकते, आप इसके योग्य नहीं हैं। आपके अंदर इसके लिए ईमानदारी नहीं है।%बताया गया कि वकील ने न्यायमूर्ति बागची और न्यायमूर्ति मोहना के प्रति सम्मान जताया, लेकिन सीजेआई सूर्यकांत को इस पद के योग्य मानने से इनकार कर दिया। घटना के बाद कार्यवाही का ऑडियो-वीडियो बंद कर दिया गया। अदालत में मौजूद वकीलों के मुताबिक, इसके बाद संबंधित वकील को कोर्ट रूम से बाहर ले जाया गया। वहां मौजूद कुछ अन्य वकीलों ने सीजेआई से उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग भी की। हंगामा- सुप्रीम कोर्ट में इससे पहले भी ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। जुलाई में प्रबल प्रताप नाम के एक याचिकाकर्ता ने अदालत में हंगामा किया था और सीजेआई सूर्यकांत के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था। हालांकि, उस समय सीजेआई सूर्यकांत की मौजूदगी वाली पीठ ने अवमानना की कार्यवाही शुरू करने से इनकार कर दिया था। पीठ ने कहा था कि याचिकाकर्ता परेशान दिखाई दे रहा था और उसे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी थीं।

योगी की पाती के 50 हफ्ते पूरेः सीएम ने लॉन्च की कॉफी टेबल बुक, विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया



योगी की पाती के 50 सप्ताह पूरे होने पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कॉफी टेबल बुक का विमोचन और वीमेन पॉवर लाइन (1090) परिसर में सात दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत 25 लाख अतिरिक्त टैबलेट वितरण की शुरुआत करते हुए पूर्ववर्ती सरकारों पर युवाओं को जातिवाद में उलझाने का आरोप लगाया।योगी की पाती के 50 सप्ताह पूरे होने पर सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने आवास पर इस पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। साथ ही वीमेन पॉवर लाइन (1090) परिसर में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की विशेष प्रदर्शनी का भी वर्चुअल उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में पाती के माध्यम से प्रदेशवासियों तक पहुंचाए गए संदेशों, विचारों और जनसरोकारों से जुड़े विषयों को चित्रों एवं अन्य रचनात्मक माध्यमों से पेश किया गया। कॉफी टेबल बुक में %योगी की पाती के 50 सप्ताह के सफर को क्रमबद्ध किया गया है। सात दिवसीय आयोजन के दौरान हर दिन की सांस्कृतिक संध्या योगी की पाती की एक विशेष थीम को समर्पित होगी। सोमवार को मिट्टी की पाती में किसान, खेती और गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े विषय रहे। मंगलवार को बेटी की पाती महिला सुरक्षा, सम्मान और आगे बढ़ती बेटियों की आकांक्षाओं को स्वर देगी। बुधवार की नौजवान की पाती रोजगार, मेहनत, कौशल और युवाओं के सपनों पर केंद्रित होगी। अयोध्या, काशी, मथुरा-वृंदावन और नैमिषारण्य की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत की झलक दिखेगी। शुक्रवार को रफ्तार की पाती प्रदेश में एक्सप्रेसवे, हवाई अड्डों, मेट्रो और औद्योगिक विकास के विस्तार को रेखांकित करेगी।

संपादकीय Editorial

A Convenient Memoir

Sonia Gandhi's autobiography, "Belonging: A Journey of Love," is embroiled in controversy for distorting historical facts. Her claims on key events like the Godhra incident conflict with investigation reports and court rulings, raising questions about her credibility. Sonia Gandhi's autobiography, "Belonging," distorts facts. Her claims on the Godhra incident contradict court rulings. The book attempts to bolster the Congress party's position.

Former Congress President Sonia Gandhi's acclaimed book, "Belonging: A Journey of Love," is typical of autobiographies, where the author writes as per their convenience and ignores facts to enhance their own image. Sonia Gandhi attempted a similar attempt, but it was unsuccessful, as the way she described many incidents conflicts with the facts. This is why many points in her book are being challenged. In his book, he wrote that the cause of the Sabarmati Express fire in Godhra remains controversial. In this incident, approximately sixty karsevaks returning from Ayodhya to Ahmedabad were doused with petrol and burned alive inside their coach. This sparked riots in Gujarat.

At that time, many opposition leaders, including the Congress party, only fueled the anger of the people of Gujarat by making statements that the train fire was accidental. Subsequent high-level investigations and court proceedings confirmed that the fire was deliberately set. Not surprisingly, Rakesh Asthana, a senior police officer and former CBI Director who was involved in the Godhra incident investigation, reacted sharply to Sonia Gandhi's findings, stating that the train fire was a well-planned conspiracy and that doubts were being raised solely for political reasons. He also alleged that the then Railway Minister Lalu Prasad Yadav had attempted to frame him by forming the Banerjee Commission. It should be noted that the Gujarat High Court had declared the formation of this commission illegal and invalid. It is surprising that Sonia Gandhi ignored the fact that the perpetrators of the Godhra incident have been sentenced. While writing on issues such as the Emergency, the Shah Bano case, the anti-Sikh riots, the Ayodhya case, and other issues that impact politics and society, Sonia Gandhi not only avoided telling the truth but also presented them in a completely different way, trying to prove her or the Congress's position correct. She failed in this too, as there are many instances in which the Congress itself suffered losses. It is true that an author writes from his own perspective in an autobiography, and it is not necessary that everyone agrees with it, but how can statements that deny historical facts be acceptable? Since she has written much of her autobiography from her own political perspective, it is doubtful that this will enhance her credibility.

Past Pages Resurface Old Conflicts

The anecdotes Sonia Gandhi shared about Maneka Gandhi in her memoirs could spark a renewed conflict between the two. Sonia's autobiography has opened up old pages about her relationship with Maneka. Maneka's political ambitions increased tensions within the Gandhi family. The book has sparked a new debate about the equation between the two daughters-in-law. India has always been curious about various aspects of the Gandhi-Nehru family. Sonia Gandhi's autobiography, "Belonging: A Journey of Love," has fueled this curiosity. Various aspects of her writing are being widely discussed and accusations and counter-accusations have also erupted. One of the most prominent concerns is the equation between the two daughters-in-law, Sonia Gandhi and Maneka Gandhi.

Sonia Gandhi's book has sparked a renewed debate about the relationship between the two. In her memoir, Sonia recounts her early association with Maneka until she left home. While she openly criticized Maneka's political ambitions and bad behavior, she also deeply felt the pain she felt after losing her husband, Sanjay Gandhi, at just 23 years old.

According to Sonia, initially, everything went well with Maneka. Even if Maneka occasionally threw tantrums, Indira and Sonia would ignore them, considering them younger. However, after a while, tensions began to grow in the household over even small matters. These domestic tensions soon transformed into political differences, ultimately leading to a major rift within the family.

Another significant revelation from Sonia's memoirs is how Maneka's relationship between her brothers, Rajiv and Sanjay, became increasingly strained. According to Sonia, Maneka's increasing interference in Sanjay's political activities indirectly affected the relationship between Rajiv and Sanjay. Even before Sonia's book, many renowned analysts and writers have periodically mentioned in their memoirs how sour the relationships between family members had become just a few months after Sanjay and Maneka's marriage.

An incident cited by journalist and author Khushwant Singh in my book on Sonia Gandhi, "Sonia: A Biography," published by Penguin, is noteworthy. According to Khushwant Singh, "Once, Rajiv and Sonia were celebrating the birthday of one of their children. I was present.

I noticed that both brothers were at different ends of the house with their wives, as if they had nothing to do with each other." In his memoir, "Nice Guys Finish Second," B.K. Nehru also described the deteriorating relationships at Indira Gandhi's 12, Willingdon Crescent house (where Indira Gandhi lived with her entire family for about two and a half years after being ousted from power in 1977), saying, "There were frequent problems regarding household chores." Sonia was responsible for cooking, and Maneka was solely responsible for serving food. Relations between Indira's two sons and their wives were no longer cordial.

Memoirs from Sonia Gandhi to Khushwant Singh and B.K. Nehru indicate how the family atmosphere became bitter after Maneka's entry. Maneka's own political ambitions played a significant role in this, as did her mother, Amriteshwar Anand. Sonia also alludes to this in her book. According to her, after Sanjay's death, Maneka's mother wanted her daughter to enter politics directly, while Indira Gandhi insisted that she had plenty of time for this.

She should focus on her few-month-old son, Varun. Perhaps Maneka's mother feared that after Sanjay's death, Maneka would be sidelined within the party and that the political influence she had enjoyed during Sanjay's tenure would be lost. Her fears were further strengthened by rumors that Rajiv would inherit Sanjay's political legacy. This was a major blow for Maneka Gandhi, as Indira Gandhi had promised to make her her personal secretary.

From then on, Maneka began taking independent steps to carve out her own niche in politics. Despite being new to politics, she played her cards well and even decided the time to leave Indira's home. After this, the paths of Indira's two daughters-in-law parted forever. While Sonia took charge of the Congress, Maneka saw the path to fulfilling her political ambitions in joining parties that were staunchly opposed to the Congress.

Other books related to the Gandhi family also shed light on their relationship. For example, Catherine Frank's book, "Indira: The Life of Indira Nehru Gandhi," added fuel to the fire of conflict between the two daughters-in-law. Maneka accused Sonia of being behind the inclusion of slanderous stories about Sanjay in the book. Sonia herself did not comment on these allegations, but Natwar Singh took on the responsibility of attacking Maneka on her behalf.

Despite such revelations from time to time, a kind of ceasefire had existed between Indira Gandhi's two daughters-in-law for several years. However, the way Sonia has now revisited the past regarding Maneka in her memoirs, the extent to which this peace between the two families will be affected will depend entirely on Maneka Gandhi's stance. There has been no statement from Maneka since the book's release. Is she, as always, waiting for the right time? The answer will likely be known soon.

Student Union Politics Must Become Meaningful

The shift of student union politics from ideological dialogue to a focus on non-academic issues is not auspicious. Consensus reached on reinstating student union elections at Jamia Millia Islamia. The deviations in student politics and the need to return to ideals. The Lyngdoh Committee recommendations and their limited impact. Recently, after a student protest that lasted more than two weeks at Jamia Millia Islamia in Delhi, the university administration and students reached an agreement on reinstating student union elections. The administration assured to hold elections within the stipulated timeframe after the start of the next academic session. Students fought for the reinstatement of the student union, which had been inactive for more than two decades, but the objectionable slogans painted on the campuses during this struggle reveal that student politics remains adrift and is more concerned with non-academic issues. This is not a good sign.

The events at Jamia Millia Islamia seriously underscore the need for a balance between student representation, university accountability, the political consciousness of youth, and academic discipline. The decision to reinstate student unions prompts a fresh look at the need for student representation in universities, as it is a fact that student union politics has drifted over time, leading to restrictions imposed on it in many educational institutions.

There is no nationwide ban on student union elections in India. Different universities have varying rules, circumstances, and administrative systems. This is why discussions surrounding student politics are also characterized by wide variations. In 2006, a committee headed by former Chief Election Commissioner J.M. Lyngdoh, formed at the direction of the Supreme Court, presented some important recommendations for the conduct of student union elections. These included controlling election expenditure, eligibility of candidates, limiting external political interference, and ensuring a fair electoral process.

The Supreme Court accepted these recommendations and directed universities to develop student representation systems in accordance with established standards. The purpose of this legal regulation was not to restrict student politics, but to make it more transparent, accountable, and disciplined. Unfortunately, its impact was only partial. Due to this lack of multifaceted student participation in educational institutions, communication between students, faculty, and administration has weakened, and the level of ideological debate has also diminished.

The adverse effect of this has been the weakening of student leadership, which has given rise to student aggression and anarchy in these institutions. The aggressive nature of political competition in higher educational institutions is shifting from ideological dialogue to a display of power. While student politics once cultivated skilled leadership, external political interference, ethnic, religious, and ideological polarization, financial, muscle, and violence in many educational campuses have undermined its core objectives.Student union elections are not only a means of electing student representatives, but also provide students with an opportunity to raise their issues, develop leadership, and understand democratic behavior. The need for a progressive increase in the quality of student dialogue and ideological debate is also crucial. Student organizations are expected to shape the academic environment and play a constructive role in the institution. While the right to protest is certainly important, preserving the dignity of dissent is equally crucial.This balance creates.

मामी का भांजे से अफेयर, पति ने पत्नी का कत्ल कर गड्ढे में गाड़ दी लाश; प्रेमी ने इसलिए दिया मामा का साथ

बीच खेत में दबाई थी अनीता की लाश, गेहूं बोआई के लिए ले आए थे खाद और बीज; शव गलाने को 50चत्र नमक भी डाला







यूपी के संभल जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने पत्नी की हत्या कर शव को खेत में गाड़ दिया। पुलिस ने गवां में आरोपी के भांजे के खेत को जेसीबी से खोदकर शव बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी पति और भांजे को गिरफ्तार कर लिया है। अमरोहा के सैदनगली के गांव चकुनी की रहने वाली अनीता (32) की हत्या करने के बाद पति नेमपाल ने गवां स्थित अपने भांजे के खेत में गड्ढा खोदकर दबा दिया। पांच नवंबर को वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पति अपने गांव लौट गया और पत्नी को ढूंढने का नाटक करता रहा।

अनीता के भाई की ओर से दर्ज गुमशुदगी की जांच के दौरान पुलिस को उसके पति पर शक हुआ। पुलिस के अनुसार, सख्ती से पूछताछ में पति ने हत्या कबूल कर ली। इसके बाद आरोपी पति और भांजे को गिरफ्तार कर पुलिस ने रविवार को शव बरामद कर लिया। हसनपुर सीओ पंकज त्यागी ने बताया कि आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव पुरसल निवासी मानू सिंह सैनी ने 11 नवंबर को थाने में अपनी बहन अनीता की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि अनीता 4-5 नवंबर से लापता है। दूसरी ओर पति थाना सैदनगली के गांव चकुनी निवासी नेमपाल ने बताया कि अनीता बिना बताए घर से लापता हुई है। मानू सिंह ने बहन के पति पर हत्या का आशंका जताई थी। गुमशुदगी की जांच के दौरान पुलिस का अनीता के पति नेमपाल पर शक गहराता गया लेकिन वह पत्नी को ढूंढने का नाटक करता रहा। पुलिस ने जब सख्ती से पूछताछ की तो उसने वारदात कबूल ली। पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि पांच नवंबर को वह गंवा स्थित भांजे के घर गया। जहां पत्नी अनीता की हत्या की और घर के पीछे खेत में छह फीट गहरा और चार फीट चौड़ा गड्ढा खोदकर शव दबा दिया।निशानदेही के बाद रविवार को हसनपुर पुलिस गंवा पहुंची और स्थानीय पुलिस को साथ लेकर आरोपी नेमपाल के भांजे के खेत पर गई। वहां जेसीबी से गड्ढा खोदकर शव निकाला गया। पुलिस ने आरोपी पति नेमपाल और भांजे को गिरफ्तार कर लिया है।एसपी बोले- अवैध संबंध में रची खौफनाक साजिश...

संभल के गवां कस्बे से बरामद महिला के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। शव पूरी तरह सड़-गल चुका था। पूछताछ में पति नेमपाल और उसके भांजे राजू सैनी ने हत्या करना कबूल किया है।

नेमपाल के छोड़ने के बाद अनीता के राजू से संबंध हो गए थे। वह राजू के साथ रहने की जिद कर रही थी, लेकिन वह उसे रखने को तैयार नहीं था। इसी के चलते दोनों मामा-भांजे ने अनीता की हत्या कर शव गड्ढे में दबा दिया। - लखन सिंह यादव, एसपी अमरोहा

अनीता की हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए पति नेमपाल और उसके भांजे ने पूरी साजिश रची थी। पहले शव नहर में फेंकने की योजना बनाई, लेकिन पकड़े जाने के डर से भांजे के खेत में छह फीट गहरा गड्ढा खोदकर दफना दिया।

उधर, नेमपाल पत्नी को तलाशने का नाटक करता रहा और रिश्तेदारियों में जाकर उसके बारे में पूछताछ करता रहा।यूपी के अमरोहा के सैदनगली के गांव चकुनी की रहने वाली अनीता (32) की हत्या करने के बाद पति नेमपाल ने गवां स्थित अपने भांजे के खेत में गड्ढा खोदकर दबा दिया। महिला अनीता की हत्या कर शव उस खेत में दबाया गया जिसमें गेहूं की बोआई होने थी। खेत को तैयार कर लिया गया था।

खाद और बीज भी लाकर रख लिया था। पति नेमपाल और भांजे का प्लान था कि तीन से चार महीने में गेहूं की फसल खड़ी हो जाएगी और शव भी पूरी तरह से खत्म हो जाएगा। लेकिन इसी बीच पुलिस सक्रिय हो गई और नेमपाल को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने खेत से छह फीट गड्ढे में दबाए गए अनीता के शव को बरामद करा दिया। शव सड़-गल चुका है। अमरोहा के थाना सैदनगली के गांव चकुनी निवासी अनीता की हत्या कर शव को ठिकाने लगाने के लिए बड़ी प्लानिंग की गई थी। पुलिस पूछताछ में पति नेमपाल ने जो बताया उसके मुताबिक पहले शव को नहर में फेंकने की तैयारी की गई थी। लेकिन फिर यह डर सताया कि शव नहर में मिल जाएगा और पुलिस उन तक पहुंच जाएगी।लिहाजा तय किया कि शव को खेत में गड्ढा खोदकर दबा दिया जाए। इसके लिए नेमपाल ने गंवा में अपने भांजे के गांव को चुना और उसके खेत में छह फीट गहरा गड्ढा खोदा और वहां शव को दबा दिया। इस खेत में गेहूं की बोआई की जानी थी। तीन दिन पहले ही बीज और खाद भी लाया गया था।पत्नी को ढूंढने का नाटक करता रहा नेमपाल- जब 4 नवंबर से लापता अनीता का कुछ पता नहीं चला तो उसके भाई मानू ने आदमपुर थाने में गुमशुदगी दर्ज करा दी। अनीता के परिवार वाले उसके पति नेमपाल से भी जानकारी कर रहे थे लेकिन वह बार बार यही कह रहा था कि उसे कोई जानकारी नहीं है। वह भी अनीता को तलाश करने का नाटक करता रहा।भाई के शक ने खुला हत्या का राज-अनीता की हत्या का राज उसके भाई मानू की सतर्कता और लगातार तलाश से खुला। बहन के लापता होने के बाद से ही उसे बहनोई नेमपाल पर शक था। रिश्तेदारों से पूछताछ और अपने स्तर पर तलाश के दौरान उसे पता चला कि अनीता को आखिरी बार गवां की ओर ले जाया गया था। घटना के बाद नेमपाल और उसका भांजा राजू भी गायब मिले तो शक गहरा गया। मानू ने पुलिस को इसकी जानकारी देकर संदिग्ध स्थान की निशानदेही की। जिसके बाद पुलिस ने नेमपाल और राजू को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो हत्या का पर्दाफाश हो गया।

नामी कंपनियों के रैपर में नकली दवाओं का खेल बेनकाब, तीन पर केस, अमरोहा-मुरादाबाद तक फैले तार



नामी कंपनियों की पैकिंग में नकली दवाइयां बेचने वाले सिंडिकेट का खुलासा हुआ है। चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में दवाइयां तैयार कराकर दिल्ली में पैकिंग की जाती थी। औषधि विभाग की जांच में नमूने नकली मिलने पर दवा कारोबारी अमित कुमार, आसिफ, वासिफ समेत कुछ अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

जांच में अमरोहा और मुरादाबाद की मेडिकल फर्मों के जरिए दवाओं की सप्लाई का मामला सामने आया है।नामी कंपनियों की पैकिंग में नकली दवाइयां बेचने वाले सिंडिकेट का खुलासा हुआ है। चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में दवाइयां तैयार कराकर दिल्ली में उनकी पैकिंग की जाती थी। औषधि विभाग की जांच में सैंपल नकली मिलने पर दवा कारोबारी अमित कुमार समेत तीन लोगों पर नामजद और कुछ अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

औषधि निरीक्षक उमेश कुमार भारती ने सिविल लाइंस थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि अमरोहा की औषधि निरीक्षक रुचि बंसल ने चौधरपुर मनौटा रोड स्थित इस्माइल मार्केट के आरबी मेडिकल स्टोर से दवाइयों के नमूने लिए थे। जांच में यह नमूने नकली पाए गए।इसके बाद तीन अगस्त 2026 को औषधि निरीक्षक ने मेडिकल स्टोर के प्रोपराइटर मोहम्मद आमिर से पूछताछ की थी। आमिर ने बताया कि उसने 11 जून 2026 को पाकबड़ा स्थित जेडआर मेडिकल स्टोर से बिल के आधार पर ये दवाइयां खरीदी थीं।जेडआर मेडिकल स्टोर संचालक से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि दवाइयां पीएसी रोड स्थित पूनम विहार की अरीब फार्मास्युटिकल फर्म से खरीदी थीं। इस फर्म में नवीन नगर निवासी अमित कुमार पार्टनर है। इसके बाद औषधि विभाग की टीम ने अमित कुमार से पूछताछ की।

उसने बताया कि दवाइयां उसने अमरोहा के धनौरा रोड स्थित हादीपुर की अरीब फार्मास्युटिकल फर्म से 27 अगस्त 2025 को खरीदी थीं। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि औषधि निरीक्षक उमेश कुमार भारती की ओर से अमित कुमार, आसिफ, वासिफ और कुछ अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 1122, 276, 277, 318(3), 336(3), 340(3), 61(3) के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।खरीद का बिल नहीं दिखा सके, बिना बिल खरीदने का आरोप

औषधि विभाग की टीम ने इसके बाद अमरोहा पहुंचकर संबंधित फर्म से दवाइयों के बैच और खरीद-फरोख्त के अभिलेख मांगे। आरोप है कि संबंधित दवाइयों की खरीद का कोई बिल नहीं दिखाया जा सका। औषधि निरीक्षक का दावा है कि इससे स्पष्ट हुआ कि अमित कुमार ने अपनी दूसरी फर्मों के माध्यम से नकली दवाइयों का भंडारण किया और उन्हें मेडिकल स्टोरों के जरिये बाजार में बिकवाया। जांच में यह भी सामने आया कि अमित ने आसिफ नाम के व्यक्ति से बिना बिल के दवाइयां खरीदी थीं।

चंडीगढ़, बद्दी और काशीपुर में बनती थीं दवाइयां, दिल्ली में होती थी पैकिंग-औषधि निरीक्षक उमेश कुमार भारती ने सिविल लाइंस थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट के अनुसार पूछताछ में अमित ने बताया कि आसिफ चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश के बद्दी और सोलन तथा उत्तराखंड के काशीपुर में टैबलेट और कैप्सूल तैयार कराता था। इसके बाद इन दवाइयों को दिल्ली ले जाकर उनकी रीपैकिंग कराई जाती थी। आरोप है कि नामी कंपनियों के नाम और पैकिंग का इस्तेमाल कर इन्हें असली दवाइयों की तरह बाजार में उतारा जाता था। अमित के मेडिकल स्टोर और एजेंसियों के माध्यम से इनकी बिक्री की जाती थी। खास बात यह है कि दवाइयों की सप्लाई में बिल का इस्तेमाल नहीं किया जाता था। इससे पूरे नेटवर्क के कारोबार और उसकी सप्लाई चेन पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आसिफ ने बंद किया मोबाइल, भाई के फोन में मिले वीडियो- अमित से पूछताछ के बाद औषधि विभाग की टीम ने आसिफ से संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन उसका मोबाइल फोन बंद मिला। इसके बाद टीम उसके घर पहुंची। वहां आसिफ का भाई वासिफ मिला। उसने बताया कि आसिफ यहां नहीं रहता और कहीं बाहर रहता है।

औषधि निरीक्षक के मुताबिक, वासिफ के मोबाइल फोन की जांच में कुछ वीडियो मिले हैं। इनमें आसिफ और वासिफ के बीच दवाइयों के कारोबार को लेकर बातचीत होती दिखाई दे रही है। विभाग इन वीडियो और अन्य साक्ष्यों को जांच का हिस्सा बना रहा है।

एक नाम से अलग-अलग शहरों में आठ फर्म खोलने का दावा -औषधि निरीक्षक ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि अमित कुमार ने एक ही नाम से अलग-अलग शहरों में आठ फर्म खोल रखी थीं। आरोप है कि वर्ष 2025 में तैयार कराई गई नकली दवाइयों को भी बाजार में बेचा जा चुका है। इससे आशंका जताई जा रही है कि नकली दवाइयों की सप्लाई लंबे समय से की जा रही थी।

औषधि निरीक्षक का दावा है कि पूछताछ में अमित ने बताया कि वह और उसका साथी आसिफ पहले भी नकली दवाइयों के कारोबार में जेल जा चुके हैं। उनका कहना है कि इस तरह की नकली दवाइयां लोगों की सेहत के लिए गंभीर खतरा हैं।

इनके सेवन से बीमारी बढ़ सकती है और मरीज की जान तक जा सकती है। खासकर गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए ऐसी दवाइयां जानलेवा साबित हो सकती हैं।कारोबारी की पत्नी ने औषधि निरीक्षक पर लगाए मारपीट के आरोप-दवा कारोबारी अमित कुमार की पत्नी रीना रानी ने भी मामले में गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि 12 नवंबर की रात करीब दस बजे औषधि निरीक्षक उमेश कुमार भारती अपनी टीम के साथ उनके घर पहुंचे और पति के बारे में पूछताछ की। आरोप है कि इस दौरान उनके साथ मारपीट की गई। घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर और अन्य सामान भी टीम अपने कब्जे में लेकर चली गई। पत्नी ने पूरे मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

सांसों पर संकट: यूपी के सबसे प्रदूषित शहर रहे गजरौला और मुरादाबाद, देशभर में दूसरे नंबर पर रहा पीतल नगरी



मुरादाबाद 309 एक्यूआई के साथ देश के सबसे प्रदूषित शहरों में दूसरे स्थान पर रहा। गजरौला 325 एक्यूआई के साथ पहले स्थान पर रहा। शहर में बुद्धि विहार की हवा सबसे ज्यादा खराब रही, जहां एक्यूआई 344 दर्ज किया गया। कांशीराम नगर में 326 और जिगर कॉलोनी में 321 एक्यूआई रहा। ईको हर्बल पार्क भी रेड जोन में पहुंच गया। गजरौला और मुरादाबाद रविवार रात दस बजे उत्तर प्रदेश के प्रदूषित शहरों की सूची में सबसे ऊपर रहे। 325 एक्यूआई के साथ गजरौला पहले और 309 एक्यूआई के साथ मुरादाबाद दूसरे स्थान पर रहा। इस आंकड़े के मुताबिक प्रदूषण का यह स्तर दिल्ली भी ज्यादा रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आधिकारिक समीर एप पर यह आंकड़ें रात दस बजे जारी किए गए। सिर्फ दिल्ली ही नहीं, बल्कि लखनऊ से भी मुरादाबाद वायु प्रदूषण के लिहाज से खराब स्थिति में रहा। शहर में दिनभर धुंध छाई रही। समीर एप पर रात दस बजे देशभर के 280 शहरों के वायु गुणवत्ता सूचकांक के आंकड़े जारी किए गए थे। देशभर की बात करें तो पानीपत का दूसरे नंबर पर 310 एक्यूआई रहा। हालांकि मुरादाबाद का शाम छह बजे का वायु प्रदूषण देशभर में दूसरे नंबर पर 323 था लेकिन रात दस बजे 14 अंकों की गिरावट के साथ 309 आ गया। मुरादाबाद शहर इन दिनों गैस का चैंबर बना हुआ है। धुंध छाए रहने के कारण दिन में 11 बजे भी राहगीर अपने वाहनों की लाइटें जलाकर अपने गंतव्य तक पहुंचे। शाम होते-होते वायु प्रदूषण की स्थिति और बिगड़ गई। शहर में सबसे खराब हवा बुद्धि विहार की दर्ज की गई। यहां पर एक्यूआई 344 रहा। पीएम 2.5 का औसत स्तर मानक से 11 गुना से भी अधिक दर्ज किया गया। प्रदूषण के स्तर पर दूसरे नंबर पर कांशीराम नगर 326 एक्यूआई के साथ आया। जिगर कॉलोनी में वायु गुणवत्ता सूचकांक 321 दर्ज किया गया। यहां पर पीएम 2.5 का औसत स्तर 321 माइक्रो ग्राम प्रति घन मीटर रहा। ईको हर्बल पार्क जैसा हरियाली वाला क्षेत्र भी रेड जोन में आ गया। यहां का एक्यूआई 313 रहा। रामगंगा नदी के पास का क्षेत्र रोजगार कार्यालय का वायु गुणवत्ता सूचकांक 309 दर्ज किया गया। सिर्फ ट्रांसपोर्ट नगर का एक्यूआई 296 ही ऑरेंज जोन में आया। हवा की गति धीमी और मौसम ठंडा होने की वजह से वातावरण में प्रदूषित कणों का ठहराव हो गया है। जैसे ही हवा की गति तेज होगी वातावरण में महीन कणों का बिखराव हो जाएगा और वायु प्रदूषण के स्तर में गिरावट आएगी। -डीके गुप्ता, क्षेत्रीय अधिकारी, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड- प्रमुख शहरों का एक्यूआई (तड़के) क्रम- शहर- एक्यूआई- 1- गजरौला 325 2 पानीपत 310 3 मुरादाबाद 309- 4 मुजफ्फरनगर- 3065 दिल्ली 2406मोदीनगर 232 7वाराणसी-2278 नोएडा 2239रायबरेली-220 10 लखनऊ 209-11 फतेहपुर सीकरी 209 12 बागपत-208 13- गाजियाबाद- 204, 14, मेरठ 186 15 बुलंदशहर-170 16 बरेली 102 मेडिसिन वार्ड में चेक की ऑक्सीजन की स्थिति, भर्ती हुए 55 मरीज- वातावरण में बढ़ रहे प्रदूषण को देखते हुए जिला अस्पताल में भी अधिकारी अलर्ट हैं। सीएमएस डॉ. नीरज अग्रवाल ने रविवार को इमरजेंसी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि मेडिसिन वार्ड में ऑक्सीजन पाइप सक्रिय हैं। उनको चेक कर लिया है।इसके अलावा ऑक्सीजन प्लांट भी चल रहा है। आईसीयू में छह बेड के अलावा रिजर्व में दस बेड की व्यवस्था है। शनिवार को इमरजेंसी में 55 मरीज भर्ती हुए, जिसमें छह मरीज सीओपीडी से संबंधित हैं। इनको सांस फूलने आदि की परेशानी हो रही थी। उन्होंने कहा कि बढ़ती ठंड को देखते हुए सभी मरीजों के पास कंबल उपलब्ध करवा दिए हैं। रैन बसेरा को साफ करवा दिया है। उन्होंने कहा कि जिन मरीजों को अस्थमा, ब्रोंकाइटिस आदि सांस की परेशानी है, वह सुबह-शाम और दिन में धुंध के समय घर से बाहर न निकलें। यदि बहुत ज्यादा जरूरी हो तो मास्क पहनकर ही बाहर निकलें। जुकाम होने पर भाप लें।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सेमीखेड़ा चीनी मिल के पेराई सत्र का आगाज,तौल में गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं, किसानों को न हो कोई दिक्कत- डीएम

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली।(ब्यूरो) जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने सोमवार को बहेड़ी स्थित किसान सहकारी चीनी मिल सेमीखेड़ा के पेराई सत्र 2026-27 का विधिवत शुभारंभ किया। डीएम ने हवन-पूजन, नारियल फोड़कर और बैलों को गुड़ खिलाकर मिल के सकुशल संचालन की कामना की, साथ ही गन्ना लेकर पहुंचे किसानों को माला और शाल पहनाकर सम्मानित किया।

?निरीक्षण के दौरान डीएम ने वजन कांटा मशीन का जायजा लेते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि गन्ने की तौल में पूरी पारदर्शिता रखी जाए और किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान हो। इसके साथ ही उन्होंने जनगणना के तहत मिल कर्मचारियों और आने वाले किसानों को स्व-गणना के प्रति जागरूक करने के निर्देश भी दिए।कार्यक्रम में केंद्रीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य भुजेंद्र गंगवार, एसडीएम गोपाल शर्मा, जिला गन्ना अधिकारी दिलीप कुमार सैनी, जीएम शैलेंद्र अस्थाना और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

योगी की पाती' पुस्तक विमोचन में बोले सीएम– हर पात्र तक पहुंचे योजना का लाभ

सीएम ने किया 'योगी की पाती' कॉफी टेबल बुक का विमोचन

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली।(ब्यूरो) लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अपने सरकारी आवास पर 'योगी की पाती' कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया और इस संवाद यात्रा पर आधारित प्रदर्शनी का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस अवसर पर सीएम ने कहा कि 'योगी की पाती' महज एक सरकारी संदेश नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग–विशेषकर अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति–के साथ आत्मीय संवाद का सशक्त माध्यम है। अंतिम व्यक्ति के जीवन में आया वास्तविक बदलाव-मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल घोषणाएं करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि योजनाओं को धरातल पर उतारकर लोगों के जीवन में बदलाव लाना आवश्यक है। उन्होंने वंचित समुदायों के उत्थान का जिक्र करते हुए कहा- 2017 के बाद प्राथमिकता से कार्य कर वनटांगिया समाज की 54 बस्तियों के हजारों परिवारों को नागरिकता व बुनियादी सुविधाएं दी गईं। कुशीनगर व गोरखपुर के मुसहर परिवारों को भूमि पट्टे और आवास से जोड़ा गया। चित्रकूट में कोल समाज के परिवारों को मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकान और अन्य योजनाओं से संतृप्त किया गया। स्वास्थ्य और शिक्षा में ऐतिहासिक सुधार-सीएम ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में कभी बच्चों की मौत का कारण बनने वाले इन्सेफेलाइटिस पर आज प्रभावी नियंत्रण है; यह उपकार नहीं बल्कि शासन का दायित्व है। वहीं, बेसिक शिक्षा में हुए सुधारों पर उन्होंने बताया कि- परिषदीय विद्यालयों के 1.60 करोड़ बच्चों को डीबीटी के माध्यम से यूनिफॉर्म, बैग, किताबें और जूते-मोजे दिए जा रहे हैं।

ऑपरेशन कायाकल्प से स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की संतृप्ति 30-36% से बढ़कर 96% हो गई है। इसके साथ ही अटल आवासीय विद्यालय और आधुनिक मुख्यमंत्री कम्पोजिट विद्यालय विकसित किए जा रहे हैं।

मीडिया के योगदान की सराहना-मुख्यमंत्री ने 'योगी की पाती' के पिछले 50 संस्करणों को जनता तक पहुंचाने के लिए समाचार पत्रों, विजुअल मीडिया और सूचना विभाग के अधिकारियों का आभार जताया। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव गृह एवं सूचना संजय प्रसाद, सूचना निदेशक विशाल सिंह सहित विभिन्न प्रमुख समाचार पत्रों के संपादक व वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

चौबारी मेले की सुरक्षा को लेकर एसपी सिटी ने लिया तैयारियों का जायजा



बरेली।(ब्यूरो) आगामी चौबारी मेले को सकुशल और सुरक्षित संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। सोमवार को एसपी सिटी चिराग जैन ने मेला स्थल का भ्रमण कर तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से तैयारियों का फीडबैक लेते हुए निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा, पुख्ता सुरक्षा और सुगम यातायात के लिए सभी इंतजाम समय रहते पूरे कर लिए जाएं। निरीक्षण के दौरान सीओ प्रथम आशुतोष शिवम और सुभाषनगर थाना प्रभारी सतीश कुमार नैन समेत अन्य पुलिस बल मौजूद रहा।

चेयरमैन कप के पांचवे दिन खेले गए तीन मैच,विजेता टीमों को चेयरमैन ने किया सम्मानित

@ क्यूँ न लिखूँ सच

मीरगंज- शशांक गुप्ता (मोनू) फतेहगंज पश्चिमी चेयरमैन क्रिकेट कप के पांचवे दिन भी तीन मैच खेले हुए।विजयी टीमों को चेयरमैन इमराना बेगम ने पुरस्कार देकर किया सम्मानित खेल प्रमुख हारून चौधरी ने बताया पहला मैच एचए ट्रेडर्स और फ्राइंड क्लब के बीच खेला गया। एचए ट्रेडर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्ले बाजी करते हुए 10 ओवर में 55 रन बनाए।जवाब में फ्राइड क्लब ने 7 ओवर में 56 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया।तीन ओवर में 12 रन बनाकर और 3 विकेट लेकर रहीस राजा मैन ऑफ दि मैच रहे। दूसरा मैच नेचरल स्टार और बरेली रॉयल के बीच खेला गया।बरेली रॉयल टीम ने टॉस जीत कर दूसरी टीम को बल्ले बाजी का मौका दिया।नेचरल स्टार ने बल्ले बाजी करते हुए 10 ओवर में 5 विकेट गवाकर 59 रन की चुनौती दी।बरेली रॉयल टीम ने इस चुनौती को जवाब देते हुए 4 ओवर शेष रहते 3 विकेट पर 61 रन बनाकर मैच जीत लिया।13 वॉल में 26 रन बनाकर और 3 विकेट लेकर पवन चौधरी मैन ऑफ द मैच रहे। तीसरा मुकाबला आयत ट्रेडर्स और रावत ऐकेडमी के बीच हुआ।रावत ऐकेडमी ने टॉस जीतकर दूसरी टीम को बल्ले बाजी करने को आमंत्रित किया।जिसके चलते आयत ट्रेडर्स ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 75 रन बनाए।जवाब में रावत एकेडमी टीम 10 ओवर में 57 रन ही बनाकर मैच हार गई।3 बॉल पर 7 रन और 2 विकेट लेने वाले फरीद मैन ऑफ द मैच रहे।चेयरमैन इमराना बेगम ने विजयी तीनों टीमों के खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

माघ मेले की तैयारियों के बीच सात अफसरों का तबादला, भूमि पूजन से पांच दिन पहले एसडीएम भी हटे

माघ मेले की तैयारियां रफ्तार पकड़ रही थीं, लेकिन भूमि पूजन से ठीक पांच दिन पहले शासन के एक आदेश ने मेला प्रशासन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सात अधिकारियों के तबादले से व्यवस्थाओं पर असर पड़ने की आशंका है। इनमें कुंभ और महाकुंभ का अनुभव रखने वाले एसडीएम विवेक शुक्ला भी शामिल हैं।माघ मेले की तैयारियों के बीच शासन ने सात अधिकारियों का गैर जनपद तबादला कर दिया है। खास बात यह है कि 20 नवंबर को होने वाले भूमि पूजन से महज पांच दिन पहले मेला प्रशासन में यह फेरबदल किया गया है। स्थानांतरित अधिकारियों में मेला क्षेत्र के एसडीएम विवेक शुक्ला भी शामिल हैं। ऐसे में मेले की तैयारियों पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल मेला प्रशासन में मेलाधिकारी ऋषिराज और कुछ लिपिक ही रह गए हैं।15 जनवरी से शुरू होने वाला माघ मेला करीब 52 दिनों तक चलेगा। इसे ऐतिहासिक और भव्य बनाने के लिए प्रशासन की तैयारियां एक महीने पहले से चल रही हैं। निर्माण कार्यों के टेंडर हो चुके हैं। पांटून पुलों के निर्माण का काम भी शुरू हो गया है। मेला क्षेत्र में समतलीकरण की तैयारी की जा रही है। मंडलायुक्त प्रत्येक बृहस्पतिवार को मेला तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। भूमि पूजन से पहले सात अधिकारियों का तबादला- 15 नवंबर की रात एक नायब तहसीलदार और पांच तहसीलदारों का स्थानांतरण कर दिया गया। इनमें वैशाली शुक्ला, ऋषि मिश्रा, हंसराज, इंद्रभूषण और देवव्रत समेत अन्य अधिकारी शामिल हैं। इसके अलावा कुंभ 2019 और महाकुंभ 2025 में एसडीएम की जिम्मेदारी संभाल चुके विवेक शुक्ला का भी तबादला कर दिया गया है।

भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ की लटेरी में आवश्यक बैठक संपन्न

नवीन सदस्यता अभियान में 7 नवीन सदस्यों को जोड़ा गया

@ क्यूँ न लिखूँ सच



लटेरी (हाकम सिंह रघुवंशी) भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ लटेरी इकाई की नवीन सदस्यता अभियान हेतु , जिला इकाई अध्यक्ष श्री हाकम सिंह रघुवंशी जी लटेरी पहुंचे जिन्होंने लटेरी इकाई के सभी सदस्यों की एक मीटिंग आयोजित की गई जिसमें राष्ट्रीय संगठन के नवीन दिशा निर्देशों को लेकर ओर नवीन सदस्यता अभियान को लेकर अपना वक्तव्य दिया ! सभी सदस्यों ओर कई नए सदस्यों को भी संगठन में जोड़ा गया ! इसी के साथ संगठन की आगे की अनेकों गतिविधियों की रूपरेखा तैयार की गई और शीघ्र ही एक बड़े कार्यक्रम के लिए विचार विमर्श किया गया संगठन के इस आवश्यक मीटिंग है जिला अध्यक्ष श्री हाकम सिंह रघुवंशी जिला कार्यकारी अध्यक्ष श्री योगेश पंथी लटेरी इकाई अध्यक्ष श्री जगदीश बाबू योगी सचिव श्री मनीष शर्मा जिला उपाध्यक्ष श्री शफीक खान मुरवास ,संगठन मंत्री नसीम खान हिंदुस्तानी ,,मनीष शर्मा विधि सलाहकार शिवम सोनी श्री संजय अग्रवाल,, संजीव धाकड़ मुनव्वर खान वरिष्ठ पत्रकार अलीम खान और डॉ साहब ,उपाध्यक्ष लखन अहिरवार,आदि शामिल रहे, इनके अलावा नवीन सदस्यों की सदस्यता ग्रहण कराई गई जिनके नाम क्रमशः अगले अंक में प्रकाशित किए जाएंगे !

फतेहगंज पश्चिमी मीरगंज तहसील अध्यक्ष टिकैत चौधरी सुधीर बालियान चढ़े टावर पर

@ क्यूँ न लिखूँ सच



मीरगंज(शशांक गुप्ता (मोनू))तहसील अध्यक्ष सुधीर बालियान के द्वारा छुट्टा पशुओं को लेकर एवं खनन को लेकर बार-बार मीरगंज तहसील में ज्ञापन देने के बाद तहसील प्रशासन द्वारा कोई भी कार्रवाई न होने के कारण प्रशासन से रुष्ट होकर मीरगंज तहसील अध्यक्ष चौधरी सुधीर बालियान टावर पर चढ़े।

मीरगंज तहसीलअध्यक्ष सुधीर बालियान के टावर पर चढ़ने की सूचना पर जिला मीडिया प्रभारी ठाकुर अरविंद सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष झंडू सिंह गंगवार मीरगंज तहसील संरक्षक राकेश कुमार, नगर अध्यक्ष डॉ मुदित प्रताप सिंह, पूरनलाल, रामदयाल, रामसहाय ठाकुर महावीर सिंह, जिला उपाध्यक्ष मदनलाल, मान सिंह, चौधरी करण सिंह नेमचंद ,सौरभ जमुना प्रसाद आदि किसान मौजूद रहे। इस मौके पर मीरगंज और पुलिस प्रशासन के अधिकारी मीरगंज एसडीएम निधि शुक्ला, तहसीलदार न्यायिक भानु प्रतापसिंह, इंस्पेक्टर क्राइम कुलदीप सिंह, फतेहगंज पश्चिमी थाना प्रभारी प्रवीण कुमार,चौकी प्रभारी आदेश कुमार, एडीओ लोकमान सिंह, लेखपाल आदित्य कुमार गंगवार, ग्राम सचिव हर्ष चौहान मौके पर मौजूद रहे।

स्वगणना शुरू, 30 नवंबर तक स्वयं कर सकते हैं ऑनलाइन

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बदायूँ जनगणना-2027 डिजिटल माध्यम से संपन्न कराई जा रही है। 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक आमजन आधिकारिक पोर्टल se.census.gov.in के माध्यम से अपने परिवार की जानकारी स्वयं ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। स्व-गणना पूरी होने के बाद प्राप्त एसई आईडी को सुरक्षित रखकर घर आने वाले प्रगणक को उपलब्ध कराना होगा। 01 दिसंबर 2026 से 04 जनवरी 2027 तक प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर जनसंख्या की गणना की जाएगी।

सोमवार को प्रमुख जनगणना अधिकारी/जिलाधिकारी अवनीश राय एवं जिला जनगणना अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) महेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने स्व-गणना अभियान के प्रथम दिवस डीएम आवास पर अपने परिवार की स्व-गणना कर आमजन को संदेश दिया कि सभी लोग 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक अपने-अपने परिवार स्वगणना कर सकते हैं। इसके पश्चात जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला ने भारत की जनगणना-2027 के प्रचार-प्रसार हेतु संचालित प्रचार वाहन को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। 5,929 प्रगणक करेंगे जनसंख्या की गणना- जनपदँ में जनगणना कार्य के लिए कुल 26 चार्ज निर्धारित किए गए हैं, जिनमें 05 तहसील चार्ज, 07 नगर पालिका परिषद एवं 14 नगर पंचायत शामिल हैं। जनपद में जनगणना कार्य संपन्न कराने के लिए कुल 5,929 प्रगणक एवं 1,003 पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं।जनगणना के दौरान परिवार एवं उसके सदस्यों से निर्धारित 40 प्रश्नों के माध्यम से आवश्यक जानकारी प्राप्त की जाएगी। इसके अतिरिक्त 05 जनवरी से 09 जनवरी 2027 तक पुनरीक्षण चरण संचालित होगा, जिसमें निर्धारित अवधि के दौरान जन्म एवं मृत्यु से संबंधित विवरण संकलित कर आंकड़ों को अद्यतन किया जाएगा। जनगणना में बेघर व्यक्तियों को भी सम्मिलित किया जाएगा। उनकी गणना 04 जनवरी 2027 को सायंकाल से की जाएगी, ताकि कोई भी व्यक्ति जनगणना से वंचित न रहे।कोई दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा- जनगणना के दौरान किसी भी व्यक्ति से कोई दस्तावेज, प्रमाण पत्र अथवा अन्य कागजात नहीं मांगे जाएंगे और न ही किसी प्रकार का शुल्क लिया जाएगा। इसके साथ ही किसी भी व्यक्ति से ओटीपी नहीं मांगी जाएगी। आमजन से अपील की गई कि वे अपनी ओटीपी किसी के साथ साझा न करें। प्रगणकों द्वारा प्राप्त सभी सूचनाएं पूर्णतः गोपनीय रखी जाएंगी। आमजन की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए प्रगणकों के पहचान पत्र पर क्यूआर कोड भी उपलब्ध रहेगा, जिसे स्कैन कर उनकी पहचान एवं प्रामाणिकता का सत्यापन किया जा सकेगा। एसएसपी ने दिया जागरुकता का संदेश- जनगणना जागरुकता के लिए पुलिस कार्यालय में सेल्फी जोन बनाया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने वहां पहुंचकर फोटो ग्राफी कराई और उसकी तस्वीर साझा करते हुए आमजन को जनगणना के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। समस्त आमजनों से अपील है कि जनगणना में बढ़-चढ़कर सहभागिता करें सकते है

आधुनिक पार्किंग से सुधरेगा ट्रैफिक, सीईओ और महापौर ने किया लोकार्पण



@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली ।(ब्यूरो) छावनी परिषद की मुख्य अधिशासी अधिकारी डॉ. तनु जैन एवं महापौर डॉ. उमेश गौतम ने सोमवार को संयुक्त रूप से सेंट मारिया गोरेटी इंटर कॉलेज के सामने नवनिर्मित पेवर ब्लॉक पार्किंग का लोकार्पण किया। ?इस अवसर पर डॉ. तनु जैन ने बताया कि इस पार्किंग के बनने से अभिभावकों, स्कूली वाहनों और स्थानीय नागरिकों को गाड़ी खड़ी करने के लिए व्यवस्थित जगह मिलेगी। इससे स्कूल के बाहर लगने वाले जाम से मुक्ति मिलेगी, यातायात सुगम होगा और छात्र-छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। इसके अतिरिक्त, धार्मिक यात्राओं के दौरान यह स्थान कांवड़ यात्रियों और श्रद्धालुओं के विश्राम के लिए भी एक स्वच्छ और सुविधाजनक ठहराव स्थल के रूप में काम आएगा। जनसुविधाओं के विस्तार की दिशा में छावनी परिषद का यह एक सराहनीय कदम है।

वोट बढ़ाने और पीडीए को एकजुट करने का आहवान

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बिलारी । सोमवार की शाम सपा कैंप कार्यालय एमआई हाउस पर अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना इकबाल कादरी का सपा विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान सहित पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की।

कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने, वोट बढ़ाने और आगामी वोटर कैंपों में पहुंचकर नए मतदाताओं के वोट बनवाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पीडीए को एकजुट कर वर्ष 2027 में अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार बनानी है।

प्रेसवार्ता के दौरान मौलाना ने कहा हुकूमत आजम खां के साथ ज्यादती कर रही है। उन्हें जेल से बाहर होना चाहिए था। आजम खां की लड़ाई लड़ने का काम अखिलेश यादव कर रहे हैं उन्होंने ऐलान किया है प्रदेश में सपा सरकार बनने पर आजम खां के खिलाफ दर्ज सभी झूठे मुकदमे एक सप्ताह के अंदर वापस लिए जाएंगे। उन्होंने कहा बिलारी विधानसभा में एक बार फिर मोहम्मद फहीम इरफान विधायक बनेंगे।

इस दौरान अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय महासचिव यामीन खान, युवजन सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष महमूद खान कादरी, अल्पसंख्यक सभा के बिलारी विधानसभा अध्यक्ष मौलाना हसन रजा, तर्वेज आलम, मुशर्रफ अली, सभासद जरीफ अंसारी, अबरार मलिक, वासिक अंसारी और सभासद आमिल सिद्दीकी रहे।

छठ पर्व के चौथे दिन उगते सूर्य की विशेष पूजा, कोहरे के कारण नहीं दिखे सूर्य देव तो बिहार से वीडियो कॉल करके सूर्य दर्शन कर किया व्रत का परायण

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बिलारी । छठ पर्व के तीसरे दिन व्रती महिलाओं ने निर्जल उपवास के दौरान शाम को स्नान करके कृत्रिम घाट बनाकर जल में खड़े होकर विशेष पूजा अर्चना की। तीन बजे से जल में खड़े होकर सूर्य देव की विशेष उपासना आरंभ की जो सूर्यास्त होने पर ही रुकी।

सोमवार की सवेरे स्कूल उगते सूर्य की पूजा करने के उपरांत छठ पर्व का विश्राम होगा। गन्ने के पौधे खड़े करके उसके नीचे फल मेवे सब्जियां आदि रखी गईं।

अगले दिन सवेरे विसर्जन के उपरांत इस प्रसाद का वितरण होगा। इस दौरान महिलाएं छठ मैया के गीत गा रही थीं। पापुलर कॉलोनी निवासी श्रद्धालु सोनी सक्सेना ने बताया उनके पड़ोस में कुछ महिलाएं छठ पर पर विशेष पूजा अर्चना करती हैं तब मेरे मन में भी यह विचार आया कि मुझे भी सूर्य देव की बहन छठ मैया की पूजा अर्चना में शामिल होना चाहिए तब लगातार दस वर्षों से मैं भी इस विशेष पूजा में शामिल होकर छठ मैया की विशेष कृपा का अनुभव कर रही हूं। पूजा अर्चना में गान्ती सिंह, ममता शर्मा, पूजा, अल्पना, प्रियंका, सोनी, प्रतीक्षा, आकाश सिंह, श्याम शर्मा, जौनी, संदीप, नितिन, विशाल, नंदिनी, अमन शर्मा,अनुराधा, अंशिका, रेशु, सिया, बंसू, अमृत, नूतन शर्मा, राज, विराज, प्रियांशी, आर्यन, आराध्या, अमृता, अल्पना, प्रियंका, सोनी, प्रतीक्षा, आकाश सिंह, श्याम शर्मा, जौनी, संदीप, नितिन, विशाल, नंदिनी, अमन शर्मा,अनुराधा, अंशिका, रेशु, सिया, बंसू, अमृत, नूतन शर्मा, राज, विराज, प्रियांशी, आर्यन, आराध्या, अमृता आदि रहे।

पालिका अध्यक्ष द्वारा कराया जा रहा शमशान घाट का कायाकल्प

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बिलारी पालिका द्वारा नगर में चंदौसी रोड स्थित श्मशान घाट का कायाकल्प कराया जा रहा है। इसकी नागरिकों ने सलाहना की है कि नगर पालिका द्वारा नगर के विकास एवं जनसुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं।

गौरतलब है कि पूर्व में श्मशान घाट पर गंदगी एवं जलभराव की समस्या रहती थी, जिसके चलते वहां लोगों को अंतिम संस्कार करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए पालिका चेयरमैन रघुराज सिंह यादव द्वारा श्मशान घाट की स्थिति सुधारने के लिए आवश्यक कार्य कराए जा रहे हैं। अब श्मशान घाट परिसर में साफ-सफाई के साथ-साथ लोगों के बैठने की उचित व्यवस्था भी कराई गई है। परिसर को पहले की अपेक्षा अधिक व्यवस्थित एवं सुविधाजनक बनाया गया है। इसके साथ ही सौंदर्यीकरण एवं अन्य आवश्यक सुधार कार्य अभी भी लगातार जारी हैं। चेयरमैन ने कहा नगर के प्रत्येक महत्वपूर्ण स्थान पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी नहीं, बल्कि आमजन को बेहतर सुविधाएं और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना है। श्मशान घाट पर भी सभी आवश्यक



प्राथमिकता है। विकास कार्यों का उद्देश्य केवल निर्माण कराना व्यवस्थाएं बेहतर बनाने के लिए कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

वाल्मीकि समाज में को पुलिस को दी शिकायत

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बिलारी । नगर के मोहल्ला कोरियान वाल्मीकि बस्ती की शोभा देवी पत्नी उमेश ने कोतवाली में शिकायती पत्र देकर कहा आठ नवंबर की रात मेरा पुत्र अरुण अपने घर की ओर आ रहा था तभी उसने रास्ते में देखा दो पक्षों के बीच मारपीट हो रही है जिसे मेरे पुत्र ने रोकने की कोशिश की इसी बात पर किट्टू, अमित यादव, प्रियांशु यादव, विनीत यादव, लेखराज आदि ने मेरे पुत्र के साथ मारपीट शुरू कर दी और जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करके अपमानित किया।

किसी तरह मेरा बेटा जान बचाकर भागा और घर आकर मुझे घटना बताई। कहा कि मैं कोतवाली पहुंची तो दूसरा पक्ष पहले से ही वहां मौजूद था और वहीं हमारे बच्चों को गालियां बकने लगे और विनीत यादव मेरे बच्चों को जान से मारने की धमकी देने लगा। शिकायत की प्रति सीओ पुलिस को भी दी गई है शिकायत पर सोनू रत्नाकर, हरीश कुमार, राहुल सागर, सुरेश, रिंकू, राजेश कुमार, रामवीर, गुलशन वाल्मीकि, रिंकू, जीतू आदि के हस्ताक्षर हैं।

पीछे सायरन बजाती रहीं दो एंबुलेंस, आगे कारों पर चढ़कर डांस करते रहे युवक; वीडियो दिला सकता है गुस्सा



हापुड़ के बाबूगढ़ क्षेत्र के बछलौता रोड पर कारों पर चढ़कर डांस और स्टंट करते युवकों का वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो में पीछे से दो एंबुलेंस सायरन बजाते हुए रास्ता मांगती दिख रही हैं, लेकिन युवकों ने रास्ता नहीं दिया। सीओ दीपक चतुर्वेदी के निर्देश पर पुलिस युवकों और कारों के नंबरों की पहचान कर रही है।उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में यातायात नियमों का उल्लंघन करते हुए कारों पर करतब करने वाले युवकों का एक वीडियो सामाजिक माध्यम पर प्रसारित हो रहा है। इस वीडियो में युवक कारों पर खड़े होकर नृत्य और करतब करते दिख रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि उन्होंने हूटर बजाते दो एंबुलेंस को भी रास्ता नहीं दिया।धार की छत पर करते रहे करतबबाजी-यह घटना हापुड़ के थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के बछलौता रोड पर हुई बताई जा रही है। वायरल वीडियो में कुछ युवक एक थार समेत कई कारों पर खड़े होकर करतबबाजी कर रहे थे। उनकी इन गतिविधियों से सड़क पर यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। साथ ही, अन्य वाहन चालकों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई। वीडियो में साफ दिख रहा है कि पीछे से दो एंबुलेंस लगातार हूटर बजाते हुए निकलने का प्रयास कर रहे थे। इसके बावजूद करतब कर रहे युवकों ने उन्हें रास्ता देने की कोई जहमत नहीं उठाई। एंबुलेंस में मरीज होने की स्थिति में यह लापरवाही उनके लिए गंभीर परेशानी का कारण बन सकती थी। एंबुलेंस को रास्ता देना प्रत्येक वाहन चालक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।पुलिस ने लिया संज्ञान-प्रसारित वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सीओ दीपक चतुर्वेदी ने इस संबंध में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि थाना पुलिस दल को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस को युवकों की पहचान करने और उनकी कारों की संख्या पता लगाने को कहा गया है।जल्द होगी कार्रवाई-सीओ दीपक चतुर्वेदी के अनुसार, युवकों और कारों की पहचान होते ही मामले में जल्द कार्रवाई की जाएगी। सड़क पर इस तरह के खतरनाक करतब न केवल गैरकानूनी हैं, बल्कि दूसरों के जीवन को भी जोखिम में डालते हैं। पुलिस ऐसे मामलों में सख्त रुख अपना रही है। यह घटना यातायात नियमों के प्रति लापरवाही का एक गंभीर उदाहरण है।

सांसद छत्रपाल गंगवार ने धौरा टांडा में जनसंपर्क किया तथा विकास कार्यों का फीता काटकर उद्घाटन किया

@ क्यूँ न लिखूँ सच

भोजीपुरा, बरेली के लिए रिपोर्टर मौ.अमजद) बरेली के भोजीपुरा विधानसभा क्षेत्र के कस्बा धौरा टांडा में बरेली लोकसभा सांसद छत्रपाल गंगवार पहुंचे, जहां भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने फूल-मालाओं से उनका जोरदार स्वागत किया।

इस दौरान सांसद ने कस्बे में पैदल भ्रमण कर आमजन से जनसंपर्क किया और लोगों की समस्याएं सुनीं। साथ ही केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं भाजपा की नीतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सांसद छत्रपाल गंगवार ने कहा कि डबल इंजन की सरकार गांव, गरीब, किसान और नौजवानों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

इसके बाद सांसद ने रास्ते में दिनेश गुप्ता किराना स्टोर का फीता काटकर उद्घाटन किया और दुकान संचालक को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर अंकित गुप्ता, कपिल गुप्ता, हरीश गंगवार पूर्व प्रधान अध्यक्ष, धौरा टांडा चेयरमैन नदीम उल हसन, सभासद फरहान नूर , मोहम्मद फारूक ,युवा नेता भुवनेश गंगवार, महेश गंगवार सहित भाजपा के मंडल अध्यक्ष, सेक्टर प्रभारी, बूथ अध्यक्ष, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

गन्ना किसानों को मिला तीन करोड़ से अधिक गन्ना भुगतान

बिलारी @ क्यूँ न लिखूँ सच । लक्ष्मी जी चीनी मिल प्रबंधन द्वारा चालू पेराई सत्र में नौ नवंबर तक खरीदे गए गन्ने का तीन करोड़ से अधिक गन्ना मूल्य किसानों के खाते में भेजा गया है। उपाध्यक्ष सुभाष खोखर ने बताया चीनी मिल द्वारा अब तक तीन लाख कुंटल गन्ने की पेराई कर दी गई है, जिसका औसत चीनी परता 8.8 प्रतिशत है। गन्ना मूल्य भुगतान की पुष्टि सहकारी गन्ना विकास समिति के सचिव हसमुल हसन द्वारा की गई है। चीनी मिल के उपाध्यक्ष ने कहा सभी किसान अपना गन्ना चीनी मिल को ही सप्लाई करके अपना बेसिक कोटा बढ़ाएं। सेटअप विभाग के उप महाप्रबंधक (गन्ना) गिरीश कुमार ने किसानों से कहा है कि वह अपनी शिफ्ट के अनुसार ही चीनी मिल में गन्ना लेकर आएं और मिल को साफ और ताजा गन्ना ही आपूर्ति करें।

जनगणना जागरूकता के लिए प्रचार वाहन एसडीएम ने किया रवाना

बिलारी@ क्यूँ न लिखूँ सच । तहसील परिसर से उपजिलाधिकारी अमित सिंह ने जनगणना जागरूकता प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर क्षेत्र में रवाना किया। यह प्रचार वाहन लोगों को



जनगणना और स्व-गणना के प्रति जागरूक करेगा। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी ने कहा स्व-गणना शुरू हो चुकी है। सभी नागरिक अपनी स्व-गणना अवश्य करें और इस महत्वपूर्ण अभियान का हिस्सा बन प्रशासन का सहयोग करें।तहसीलदार राजकुमार सिंह ने बताया कि प्रचार वाहन के माध्यम से बिलारी ब्लॉक के गांवों और कस्बों में जनगणना से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रसारित की जाएंगी। साथ ही लोगों को स्व-गणना की प्रक्रिया समझाकर उन्हें इसके लिए प्रेरित किया जाएगा, ताकि अभियान को सफल बनाया जा सके। अधिकारियों ने आमजन से अपील की कि जिस तरह उन्होंने स्व-गणना की है, उसी तरह सभी नागरिक भी अपनी स्व-गणना पूरी करें और दूसरों को भी इसके लिए जागरूक करें। कार्यक्रम में नायब तहसीलदार अभिनय सिंह, फील्ड ट्रेनर संजीव कुमार सिंह, रोहित कुमार सिंह, रेहान पाशा और शुभम कुमार रहे।

चरस समेत गिरफ्तार

बिलारी @ क्यूँ न लिखूँ सच । सहसपुर चौकी के उप निरीक्षक आकाश शर्मा, हेड कांस्टेबल मोहम्मद कासिम, मनोज कुमार, आसिफ आदि ने सहसपुर में स्योंडारा मोड़ के पास से गांव निवासी फैजान उर्फ गुड्डू इदरीश को 353 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया है।



पछुवा हवाओं के साथ आई ठंड

बिलारी @ क्यूँ न लिखूँ सच । रविवार को बूंदाबांदी के बाद सोमवार की सवेरे सीजन का पहला कोहरा देखा गया इसके उपरांत आसमान साफ हो गया और दिनभर धूप खिली परंतु पछुआ हवाओं ने पहली बार सर्दी के आगमन का एहसास कराया। पहले ही दिन लोगों को स्वेटर, जैकेट आदि गर्म कपड़े निकालने पड़ गए और अधिकतर लोगों की जुबान पर यही चर्चा देखी गई कि भले ही आधा नवंबर बीतने के बाद आई है परंतु अब ठंड आ गई है। ठंड शुरू होने को लेकर गर्म वस्त्र विक्रेताओं में खुशी देखी गई।

एशिया कप जीतकर लौटे लक्ष्य रायचंदानी का भव्य स्वागत, घर पहुंचकर नेताओं ने खिलाई मिठाई

भारत की अंडर-19 टीम के कप्तान लक्ष्य रायचंदानी का सपा-भाजपा के नेताओं ने स्वागत किया और उन्हें मिठाई खिलाकर बधाई दी और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया।पाकिस्तान को हराकर अंडर-19 एशिया कप का खिताब जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान लक्ष्य रायचंदानी के गृह जनपद पहुंचने पर जश्न का माहौल रहा। शहर के गुड्डमल चौराहे के पास स्थित उनके आवास पर भाजपा और सपा के नेताओं ने पहुंचकर मिठाई खिलाई और सम्मानित कर बधाई दी। शुभम अवस्थी ने लक्ष्य के पिता राजेश रायचंदानी, माता लक्ष्मी रायचंदानी के साथ उनका स्वागत किया। भाजपा के तरबगंज विधायक प्रेम नारायण पांडेय और गौरा विधायक प्रभात वर्मा ने लक्ष्य के घर पहुंचकर उन्हें व बाबा पूर्व विधायक तुलसीदास रायचंदानी को मिठाई खिलाई और जीत की बधाई दी। भाजपा नेता नीरज मौर्य, शेष चौरसिया और सचिन वाल्मीकि ने भी मिठाई खिलाकर खुशी जताई।वहीं, समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष अरशद हुसैन ने लक्ष्य के पैतृक आवास पहुंचकर उन्हें और उनके पिता राजेश रायचंदानी को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

देश के विकास की नींव है जनगणना , डीएम ने खुद दर्ज कराया ब्यौरा,आमजन से की खास अपील

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली।(ब्यूरो) जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने सोमवार को अपने कैम्प कार्यालय से जनगणना-2027 के अंतर्गत स्वगणना अभियान का विधिवत शुभारम्भ किया।

इस दौरान डीएम ने स्वयं, अपने परिवार और कार्यालय के समस्त स्टाफ के साथ स्वगणना की प्रक्रिया पूरी कर आमजन को इसके प्रति प्रेरित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि देश के भविष्य और विकास योजनाओं की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि वे स्वगणना की डिजिटल सुविधा का लाभ उठाते हुए अपनी व परिवार की सटीक जानकारी स्वयं दर्ज करें और दूसरों को भी जागरूक करें। अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश देते हुए डीएम ने प्रत्येक नागरिक से इस राष्ट्रीय कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (वि/रा) संतोष कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सदर विधायक नें सड़क सुरक्षा जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

@ क्यूँ न लिखूँ सच



जनपद बदायूं में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार सड़क सुरक्षा पखवाड़ा-2026 का शुभारंभ आज माननीय सदर विधायक श्री महेश चंद्र गुप्ता जी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर माननीय विधायक जी ने सड़क सुरक्षा जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा आमजन को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए प्रत्येक नागरिक को यातायात नियमों के प्रति जागरूक एवं जिम्मेदार बनना होगा। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति जिस स्थान पर जहां भी कार्य कर रहा है मेहनत और ईमानदारी से कार्य करें, तो संपूर्ण भारत का नहीं ब्रह्मांड का विकास होगा,दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाना, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाना तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करना, सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत अत्यंत आवश्यक है।

उक्त कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी श्री मानवेंद्र सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री अभिषेक कुमार सिंह, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन)श्री हरिओम, यात्री/मालकर अधिकारी श्री अभिनव चौधरी, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक श्री राजेश पाठक, राजकीय इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य श्रीमती नूतन सिंह, यातायात निरीक्षक श्री मनोज कुमार वर्मा, आर.टी.एम. फॉर सोशल डेवलपमेंट सोसाइटी की प्रबंधक रिदा खान, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार परिषद बदायूं के अध्यक्ष श्री शिवस्वरूप गुप्ता, उद्योग व्यापार मंडल के जिला महामंत्री श्री जवाहर रस्तोगी, जिला संयोजक श्री अरविंद पाल गुप्ता, नगर अध्यक्ष श्री राजीव भारद्वाज, मीडिया प्रभारी श्री संतोष कुमार शर्मा, बस यूनियन के अध्यक्ष श्री ओंकार सिंह, भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष श्री अजय मथुरिया के साथ-साथ यातायात पुलिस के कार्मिक, नेहरू मेमोरियल शिवनारायण दास डिग्री कॉलेज के प्रधानाचार्य के साथ एन.सी.सी. के कैडेट उपस्थित रहे इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं आमजनों को मुख्य अतिथि सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया गया। परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस बदायूं द्वारा आमजन से अपील की गई कि यातायात नियमों का पालन करें, स्वयं सुरक्षित रहें और दूसरों को भी सुरक्षित रखें।

सुरक्षित सड़क, सुरक्षित जीवन – यही हमारा संकल्प।



संक्षिप्त समाचार

17 नवंबर को सहसवान में लगेगा वृहद रोजगार मेला

बदायूँ उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अंतर्गत बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला सेवायोजन कार्यालय बदायूँ, राजकीय आईटीआई एवं कौशल विकास मिशन के संयुक्त तत्वावधान में 17 नवंबर 2026 (मंगलवार) को प्रात: 10:00 बजे प्रमोद इंटर कॉलेज, सहसवान परिसर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेले में तकनीकी एवं गैर तकनीकी क्षेत्र की 15 से अधिक कंपनियों द्वारा विभिन्न पदों पर अभ्यर्थियों का साक्षात्कार एवं चयन किया जाएगा। इसके साथ ही नि:शुल्क कौशल उन्नयन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी। रोजगार मेले में प्रतिभाग पूर्णत: नि:शुल्क रहेगा।

उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में हाईस्कूल से स्नातकोत्तर, आईटीआई, डिप्लोमा, बीटेक एवं कौशल विकास डिप्लोमा धारक अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं। अभ्यर्थियों की आयु 18 से 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। इच्छुक अभ्यर्थी 17 नवंबर 2026 को प्रात: 10:00 बजे अपने समस्त शैक्षिक योग्यता प्रमाण-पत्रों एवं बायोडाटा की छायाप्रति के साथ प्रमोद इंटर कॉलेज परिसर सहसवान में उपस्थित होकर रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं।

गौवध के मामले में फरार आरोपी के घर चस्पा किया कुर्की का नोटिस

शशांक गुप्ता (मोनू)फतेहगंज पश्चिमी। सोमवार को थाना फतेहगंज पश्चिमी पुलिस ने थाना बिथरी चैनपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 472/26 धारा 3/5/8 गौवध निवारण अधिनियम, 109(1)/61(2) बीएनएस व 3/25/27 आर्म्स एक्ट के मामले में कार्रवाई की। उक्त अभियोग की विवेचना प्रभारी निरीक्षक थाना फतेहगंज पश्चिमी द्वारा की जा रही है। इसी मामले में फरार चल रहे अभियुक्त फैय्याज पुत्र अताउर्रहमान निवासी मोहल्ला कसाईटोला, पुराना शहर, थाना बारादरी, जिला बरेली के घर पर पुलिस ने मुनादी कराते हुए कुर्की का नोटिस चस्पा किया।



महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में 'प्रतिभा सम्मान समारोह,83 मेधावी छात्र-छात्राएं हुए पुरस्कृत



@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में एक भारत श्रेष्ठ भारत की थीम पर वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह-2026 का भव्य आयोजन हुआ। समारोह में शिक्षा और खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 83 मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति व मेडल देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार, विशिष्ट अतिथि कैंट विधायक संजीव अग्रवाल व एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनिल राय ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. अनिल राय को 'श्री अग्रसेन लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड-2026' तथा शिक्षा जगत के तीन शिक्षकों-राजपाल, डॉ. संजय कुमार सिंह और विजय पाल को 'श्री अग्रसेन शिक्षक रत्न पुरस्कार' से नवाजा गया। इसके साथ ही भूगोल विषय के टॉपर निशिकांत आर्य को 'हीरक पदक' और अन्य 82 छात्र-छात्राओं को गोल्ड व सिल्वर मेडल प्रदान किए गए। कार्यक्रम में डॉ. नीतू शर्मा व डॉ. पूजा अग्रवाल की पुस्तक का विमोचन हुआ और विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

अतिथियों ने विद्यार्थियों को परिश्रम और आधुनिक तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया। महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल ने स्वागत उद्बोधन दिया, जबकि अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल व प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल ने सभी का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेशु जौहरी ने किया।

जनगणना-2027 का तीसरा चरण: सीएम योगी ने किया शुभारंभ, बोले- कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं से नहीं रहेगा वंचित



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में जनगणना 2027 के तीसरे चरण का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि सटीक आंकड़ों से प्रदेश की विकास योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू किया जा सकेगा। 16 से 30 नवंबर तक स्वगणना होगी, जबकि एक दिसंबर से गणनाकर्मी घर-घर पहुंचकर जानकारी जुटाएंगे।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनगणना 2027 उत्तर प्रदेश के समग्र विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जनगणना से प्राप्त सटीक और प्रामाणिक आंकड़ों के आधार पर सरकार भविष्य की योजनाओं की ठोस कार्ययोजना तैयार कर सकेगी। इससे प्रशासन को योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने में भी मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि अभी तक प्रदेश की अधिकांश विकास योजनाएं 2011 की जनगणना के आंकड़ों पर आधारित रही हैं। ऐसे में नई जनगणना के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग की वास्तविक सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय स्थिति का पता लगाना जरूरी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ स्थित लोकभवन में जनगणना 2027 के तृतीय संस्करण का शुभारंभ किया। सीएम योगी ने कहा कि जिसके पास सही आंकड़े होंगे, वह उतनी ही प्रभावी ढंग से अपनी योजनाएं बना और लागू कर सकेगा। उत्तर प्रदेश देश का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है। भारत का हर छठा व्यक्ति यूपी में रहता है, जबकि दुनिया का हर 36वां व्यक्ति प्रदेश में निवास करता हैमुसहर समाज का उदाहरण देकर बताई सही आंकड़ों की अहमियत

मुख्यमंत्री ने जनगणना में किसी भी व्यक्ति या समुदाय के छूटने को गंभीर विषय बताते हुए पूर्वी उत्तर प्रदेश के मुसहर समाज का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि समाज का यह सबसे विपन्न तबका लंबे समय तक बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहा। उनके पास पक्के मकान तो दूर, झोपड़ी वाली जमीन का भी मालिकाना अधिकार नहीं था।

कई परिवारों के पास राशन कार्ड और दूसरी सरकारी सुविधाएं तक नहीं थीं। यदि पिछली जनगणनाओं में उनकी वास्तविक स्थिति सामने आई होती तो वे पहले ही सरकारी योजनाओं के पात्र बन सकते थे। सीएम ने कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री बनने के बाद इस समुदाय के लिए अलग से योजना बनानी पड़ी और फिर उन्हें सरकारी योजनाओं से संतृप्त किया गया।

जनगणना में किसी पात्र व्यक्ति का नाम छूटने का अर्थ है कि वह लंबे समय तक सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रह सकता है। इसी तरह कहीं तीन स्कूल होने और कहीं कई किलोमीटर तक स्कूल न होने जैसी स्थितियां भी सही आंकड़ों के अभाव का परिणाम हैं। जनगणना से विद्यालय, स्वास्थ्य केंद्र, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं की वास्तविक जरूरत का आकलन किया जा सकेगा।एक दिसंबर से घर-घर पहुंचेगी टीम

सीएम ने बताया कि उत्तर प्रदेश में 16 नवंबर से 30 नवंबर तक स्वगणना की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके तहत नागरिक आधिकारिक पोर्टल पर स्वयं और अपने परिवार की जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इसके बाद एक दिसंबर से चार जनवरी तक घर-घर जाकर जनसंख्या गणना की जाएगी।

जनगणना के दूसरे चरण में प्रत्येक व्यक्ति से धर्म, जाति, शिक्षा, व्यवसाय, मातृभाषा और अन्य जनसांख्यिकीय पहलुओं से जुड़े 40 प्रश्न पूछे जाएंगे। सीएम ने कहा कि प्रदेश की सबसे बड़ी आबादी को देखते हुए यहां जनगणना की विशेष जिम्मेदारी है।

इस महाअभियान की सफलता के लिए प्रशासनिक समन्वय, जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी और आमजन की जागरूकता जरूरी है। जिलाधिकारी स्वयं अभियान का नेतृत्व करेंगे और प्रतिदिन इसकी प्रगति की समीक्षा करेंगे। प्रदेश के 18 मंडल, 75 जिले, 350 तहसील, 825 विकासखंड, 57,694 ग्राम पंचायतें और 1,04,004 राजस्व गांव इस अभियान से जुड़ेंगे। सहायता के लिए हेल्पलाइन 1855 भी जारी की गई है।

किरायेदारों, प्रवासी श्रमिकों और दूरस्थ बस्तियों तक पहुंचने के निर्देश- मुख्यमंत्री ने जनगणना कार्य में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों से पूरी सत्यनिष्ठा, संवेदनशीलता और विनम्रता के साथ काम करने की अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक परिवार तक पहुंचकर सही जानकारी जुटाना जरूरी है।

किसी भी व्यक्ति को जनगणना से छूटना नहीं चाहिए। विशेष रूप से दूरस्थ बस्तियों, किरायेदारों, प्रवासी श्रमिकों, अकेले रहने वाले व्यक्तियों, बुजुर्गों, घुमंतू जातियों और वंचित वर्गों तक पहुंच सुनिश्चित की जाए। जनगणना केवल सरकारी ड्यूटी नहीं, बल्कि विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत के निर्माण का राष्ट्रीय अभियान है। आंकड़ों की गोपनीयता और जनगणना के महत्व के बारे में लोगों को समझाया जाए।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील की कि वे स्वगणना में अपने माता-पिता, बुजुर्गों और पड़ोसियों की ऑनलाइन जानकारी दर्ज कराने में मदद करें तथा स्वगणना पूरी होने के बाद प्राप्त आईडी सुरक्षित रखें। उन्होंने मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से जनजागरूकता बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि जनगणना में हर व्यक्ति की भागीदारी सुनिश्चित होगी, तभी आने वाले दशक के लिए विकास की प्रभावी कार्ययोजना तैयार हो सकेगी। इस दौरान वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, विधायक डॉ. नीरज बोरा, विधायक जय देवी समेत कई नेता और अधिकारीगण मौजूद रहें।

25 लाख के उधार से बचने को युवक की हत्या,24 घंटे में मुठभेड़ के बाद दो आरोपी गिरफ्तार



@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। आंवला कस्बे में रविवार रात हुए युवक के हत्याकांड का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो मुख्य आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है।

जवाबी फायरिंग में दोनों बदमाशों के पैरों में गोली लगी, जबकि दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। तीसरा आरोपी फरार है।

रविवार रात करीब 8:45 बजे मोहल्ला फूटा दरवाजा निवासी अकरम (22) पिता अशरफ के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। रास्ते में घात लगाए बैठे तौफीक कुरैशी व उसके दो साथियों ने उन पर फायरिंग कर दी। सिर में गोली लगने से अकरम की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि पिता छर्रे लगने से घायल हो गए।

सोमवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बंजरिया के जंगल में एक ट्यूबवेल की कोठरी को घेरा। बदमाशों की फायरिंग में दरोगा शुभम कुमार और हेड कांस्टेबल कामेश्वर सिंह घायल हो गए। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में मुख्य आरोपी तौफीक कुरैशी और अशफाक उर्फ चौड़ा पैर में गोली लगने से घायल हो गए, जिन्हें दबोच लिया गया। इनका तीसरा साथी विकास यादव भाग निकला।

25 लाख की उधारी बनी हत्या की वजह-पूछताछ में तौफीक ने कबूला कि उसने अकरम से 25 लाख रुपये के भैंस के पड़वे खरीदे थे। यह रकम न चुकानी पड़े, इसलिए उसने साथियों संग मिलकर हत्या की साजिश रची। पुलिस ने इनके पास से दो अवैध तमंचे, कारतूस और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद की है। घायलों को सीएचसी आंवला में भर्ती कराया गया है और फरार आरोपी की तलाश जारी है।

Detecting the silent disease, ovarian cancer, will become easier! A molecule found in the blood may provide early signs of the disease.



Early signs of ovarian cancer can now be detected by a molecule found in the blood (TU-stroma). The most common type of ovarian cancer is called high-grade serous ovarian cancer. It often begins in the fallopian tubes, the tubes that carry eggs from the ovaries to the uterus. Early changes can be so subtle that they are usually only detected when a specialist examines the tubes under a microscope after surgery. So, let's discuss ovarian cancer and related studies in detail. Ovarian cancer, one of the leading cancers in women, is considered a silent disease because its symptoms are not easily recognized. Often overlooked as common stomach problems, it could be ovarian cancer in women. Women who have entered menopause or are over 50 are particularly at risk. Early signs can be found in the blood. Now, a new study suggests that some changes associated with ovarian cancer may be detectable in the blood. Researchers in the UK looked for a molecule called TU-stroma in preserved blood samples. They found that its levels were higher in people with early-stage cancer. In fact, the cancer had already begun to spread into surrounding tissue. These levels were also higher in those who had a small group of abnormal cells confined to the inner lining of the fallopian tubes. This group is called serous tubal intraepithelial carcinoma (STIC). This can be an early stage of ovarian cancer. The next step is to monitor people over time to determine when these signs first appear. Ovarian cancer can cause symptoms such as persistent bloating and pain in the abdomen or lower back pain between the hips.

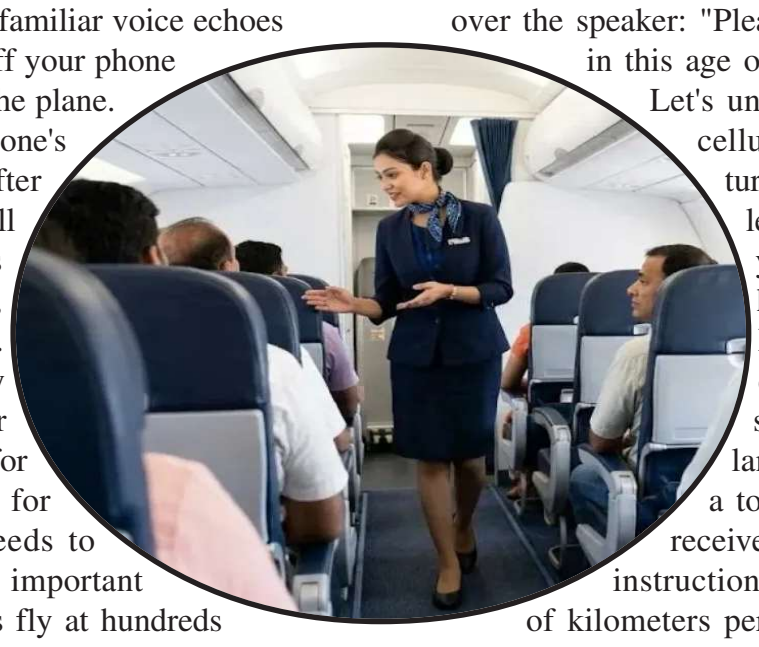
No court visits or priests needed for marriage! What is the Self-Respect Wedding, which is trending these days?

Self-Respect Weddings emphasize equality and respect without traditional rituals or priests. In this modern age, marriages are no longer just about taking seven vows or following traditional customs; the method is changing. While previously, people would turn to the court for a legal marriage instead of a traditional wedding, another wedding trend is currently gaining traction: Self-Respect Weddings. But the connection between weddings and self-respect is unclear, isn't it? Let us tell you about this new wedding style. Music composer Anirudh Ravichander's Self-Respect Wedding - Self-Respect Weddings recently made headlines when Dr. TRB Raja shared on social media that music composer Anirudh Ravichander and businesswoman Kavya Maran had a Self-Respect Wedding. During this, the two exchanged garlands and chains, thus tying the knot. What is a Self-Respect Wedding? While Self-Respect Weddings have become more visible now, they began in Tamil Nadu in 1925 with E.V. Ramasamy "Naicker" Periyar's Self-Respect Movement. This wedding is called "Suyamariadai Thirumanam" in Tamil. The primary objective of this movement was to challenge caste discrimination and the male-dominated society. How is the wedding conducted? This wedding differs significantly from traditional customs, as it involves no rituals, no priests, and no chanting. Equality, consent, and respect are prioritized. It is somewhat similar to a court marriage, where the wedding takes place in the presence of close friends, family, and witnesses. During this ceremony, couples can voluntarily exchange garlands, chains, or rings to establish their relationship. The only difference is that in a court marriage, the marriage takes place as a contract according to the law. Marriage has received legal recognition in these states - The Self-Respect Movement originated in Tamil Nadu, so it was given legal recognition in this state by adding Section 7-A to the Hindu Marriage Act, 1955. Furthermore, this marriage can be performed in the Union Territory of Puducherry.



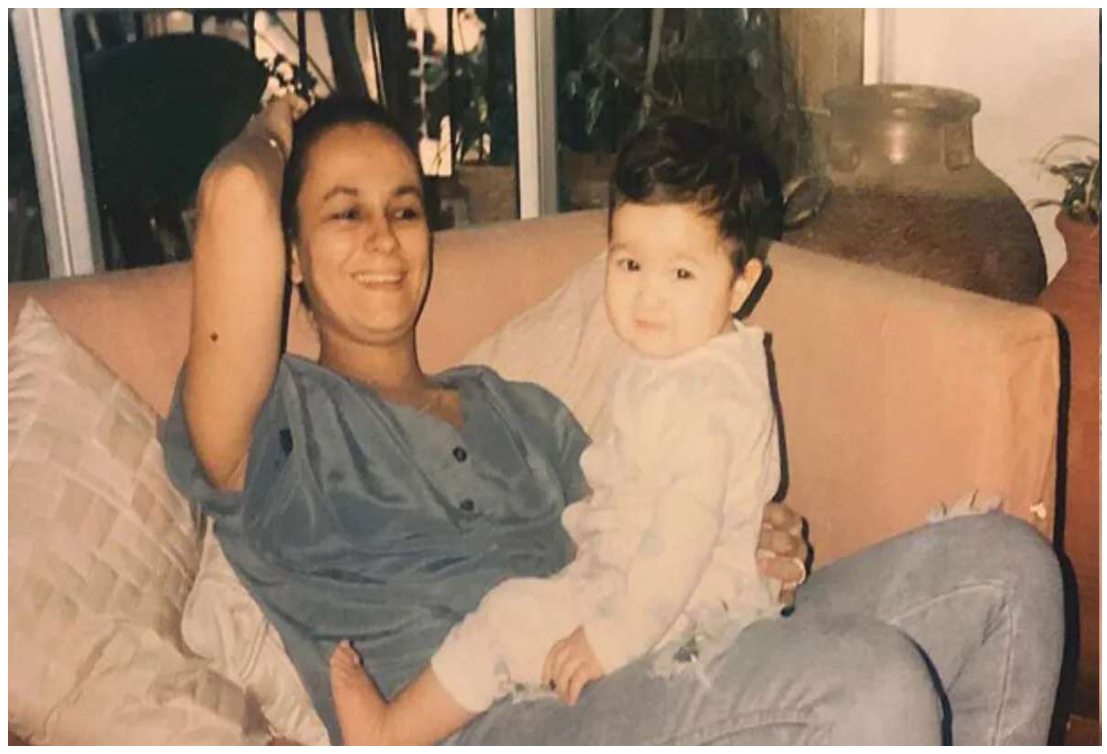
Why is it recommended to turn off your phone during flights? Understand what pilots fear.

It's recommended to put your phone in flight mode during air travel, but do you know the reason behind it? If not, let's explore this article in detail. Whenever we board an air travel vehicle, as soon as we buckle our seatbelts, a familiar voice echoes over the speaker: "Please put your phone in flight mode." Many people unhesitatingly follow this rule, but many wonder why it's necessary to turn off your phone in this age of 5G and artificial intelligence. Yes, as children, we even heard that leaving your phone on could cause birds to fly in front of the plane. Let's understand the real story behind this practice in this article. What does "Airplane Mode" do? Once you turn it on, your smartphone's cellular network is completely cut off. Simply put, your phone stops searching for ground towers. The best part is that even after turning it on, you can activate Wi-Fi and Bluetooth. This is why Wi-Fi can be used even during a flight on many planes today. Will leaving your phone on cause a plane to crash? Simply put, absolutely not. Even if you or another passenger accidentally leaves your phone on, the plane won't fall out of the sky. The world's largest aviation organizations, such as the FAA and EASA, have acknowledged that modern airplanes have such robust shielding that they can easily tolerate mobile phone signals. Nevertheless, the principle of "better safe than sorry" always applies during air travel, to minimize the possibility of any danger. That "tit-tit" sound and the pilot's troubles: Remember when a mobile phone was placed near an old radio or speaker, it would emit a strange "tit-tit-tit" sound? The same thing happens during flights. When a plane takes off or descends for landing, your phone puts all its effort into connecting to the network. If hundreds of passengers' phones simultaneously search for a tower, the resulting radio signals can create the same "buzz" or noise in the pilot's headphones. During this time, the pilot needs to receive crucial information from air traffic control about weather, wind speed, and the runway. Just imagine, if the pilot misses an important instruction due to that noise, it could lead to a major misunderstanding or accident. The tangle of ground networks and 5G: Airplanes fly at hundreds of kilometers per hour. At such heights and speeds, if a phone is on, it will try to connect to a different mobile tower every second. Ground towers are not designed for this kind of operation. This could also disrupt ground mobile networks. Furthermore, there was a significant uproar recently in the US regarding 5G networks. The agency there warned that some 5G signals could misdirect the radio altimeters of older aircraft. This is the same important machine that tells the pilot how far the ground is during landing in bad weather or fog. Caution is necessary during takeoff and landing - Takeoff and landing are the most delicate and important parts of the flight. Airlines also want that in case of any emergency during this time, the passengers should not have their eyes glued to the phone screen. Their full attention should be on the cabin crew's words and safety instructions. Some such technology has now come into existence in Europe where mobile network is being provided safely inside the aircraft, but until this technology becomes common all over the world, keeping your mobile in flight mode during travel is the most wise step for your safety.



Alia Bhatt and Soni Razdan were pregnant while shooting the hanging scene, smoking 100 cigarettes a day.

Soni Razdan revealed that she smoked approximately 100 cigarettes during the shooting of "Gumrah," even though she didn't know she was pregnant with Alia Bhatt. Soni Razdan made a major revelation - Soni Razdan spoke pregnant during the shooting of "Gumrah." experiences working during both of her of Mahesh Bhatt's 1993 film "Gumrah," know she was pregnant with Alia Bhatt. Soni pregnancy - the actress admitted that she shooting, and later learned that she was that despite being pregnant with Alia Bhatt, had to alter her costume to accommodate her changes in the industry - In an interview, Soni balancing her acting career and the 1980s and early 1990s. Recalling her she explained how the film industry has especially now that women can openly talk When was Soni Razdan pregnant for the first the first time while working on the popular Jyoti Swarup. The show, which premiered in She recalled, "I became pregnant for the first explained how supportive the show's makers much more difficult than it is today. Subsequently, in 1988, Soni and Mahesh Bhatt's first daughter, Shaheen, was born. Razdan was pregnant for the second time during Gumrah - Talking about her second pregnancy, when she was pregnant with Alia Bhatt, Soni Razdan said, "After many years, Soni became pregnant again. At the time, she was working on her husband's crime thriller film 'Gumrah.' The actress revealed that she shot a long smoking scene without knowing she was expecting Alia. Looking back now, she smiles at the experience. She explained, "I was shooting that smoking scene, and I must have smoked about 100 cigarettes in a single day. I had no idea I was pregnant with Alia. I'm not a smoker, but after that day, I started craving cigarettes." Shot a hanging scene while pregnant - This wasn't the only difficult scene she performed during her pregnancy. Soni also revealed that before taking a break from work, she also shot a hanging scene. She added, "I shot that famous hanging scene while I was pregnant. After that, there was a long break. When I returned after five months, my costumes didn't fit me. By then, my belly had also come out a little, so we had to make costume changes." Actresses had to hide their pregnancy - Soni Razdan says that earlier, actresses had to hide their pregnancy from producers. Speaking about the changes she's seen in her experience, Soni said that today's actresses have more freedom to openly acknowledge their pregnancy and their responsibilities as mothers. They don't have to worry about how producers will react. She explained, "A lot has changed now. The mindset of producers, directors, and actors is completely different these days, which is very important. I'm very happy that Alia doesn't have to pretend she's not a mother. In the past, we had to carefully hide the fact that we had children." Soni said that it's good that actresses no longer have to hide all this and can easily balance motherhood with work.



on the motherhood of actresses - Razdan was Veteran actress Soni Razdan recalled her pregnancies. She revealed that during the shooting while filming a cigarette smoking scene, she didn't Razdan smoked 100 cigarettes during her smoked approximately 100 cigarettes during the pregnant with her little daughter. She also revealed she shot a hanging scene, and the production team growing baby bump. Soni Razdan talks about Razdan spoke about the difficulties she faced responsibilities of being a mother during the late experiences on the sets of 'Buniyaad' and 'Gumrah', changed significantly for working mothers, about their pregnancy and family responsibilities. time - Soni revealed that she became pregnant for TV serial 'Buniyaad', directed by Ramesh Sippy and 1986 and ended in 1987, was her first TV serial. time during the shooting of 'Buniyaad.'" The actress were, especially at a time when going to work was

What is the reason behind portraying Sai Pallavi as a warrior in 'Ramayana'? Director Nitesh Tiwari has responded.

'Ramayana' director Nitesh Tiwari has explained why the character of Sita is shown performing action sequences in the film. The director spoke about Sai Pallavi's action sequences in 'Ramayana'. Why was Sai Pallavi's action Ramayanam, which released in theaters on to its characters, particularly the action Sita. While many people liked these portrayed in this avatar. Now, the film's this issue and explained why Sita was shown Tiwari has spoken on Sita's action defended the portrayal of Sita, played by Sai Legend." His approach, which depicts Sita scenes, has received both criticism and character engage in action sequences? who have opposed this creative decision, Ramayana. However, Tiwari maintains that and the 15th-century Odia "Bilanka an embodiment of cosmic power. In a recent limited to her ability to endure hardships. He Ramayana offer different perspectives on possessed immense power. The director said, image of Sita; she is not just a symbol of embodiment of cosmic power." Sita faced which, when Rama is helpless, Sita assumes



sequences shown? Since Nitesh Tiwari's November 5th, has received mixed reactions sequences involving Sai Pallavi's character, sequences, others questioned how Sita was director Nitesh Tiwari himself has addressed performing action sequences. Director Nitesh sequences: Director Nitesh Tiwari has Pallavi, as a warrior in "Ramayana: Rise of a wielding weapons and participating in action support from the audience. Why did Sita's Veteran actor Mukesh Khanna is among those arguing that it deviates from the Valmiki texts like the Sanskrit "Adbhuta Ramayana" Ramayana" depict Sita as an active warrior and interview, Tiwari stated that Sita's story is not explained that various versions of the the character; These include tales in which Sita "These tales present a completely different tolerance, but an active warrior and an demons - Tiwari also mentioned an incident in a fierce form and confronts a demon. He further said, "In these versions, when Rama is helpless, Sita assumes the fierce form of Mahakali and slays Sahasra Ravana, the thousand-headed demon king." About "Ramayana" - Directed by Tiwari, "Ramayana: Rise of a Legend" stars Ranbir Kapoor as Rama, Sai Pallavi as Sita, Yash as Ravana, and Ravi Dubey as Lakshmana. Based on the epic "Ramayana," the film is planned to be made in two parts. The first part was released in theaters on November 5. Its second part is going to be released in 2028.

What is the reason behind portraying Sai Pallavi as a warrior in 'Ramayana'? Director Nitesh Tiwari has responded.

'Ramayana' director Nitesh Tiwari has explained why the character of Sita is shown performing action sequences in the film. The director spoke about Sai Pallavi's action sequences in 'Ramayana'. Why was Sai Pallavi's action which released in theaters on November 5th, has the action sequences involving Sai Pallavi's sequences, others questioned how Sita was Tiwari himself has addressed this issue and sequences. Director Nitesh Tiwari has spoken on defended the portrayal of Sita, played by Sai His approach, which depicts Sita wielding weapons criticism and support from the audience. Why did actor Mukesh Khanna is among those who have from the Valmiki Ramayana. However, Tiwari Ramayana" and the 15th-century Odia "Bilanka embodiment of cosmic power. In a recent interview, to endure hardships. He explained that various on the character; These include tales in which Sita present a completely different image of Sita; she is not just a symbol of tolerance, but an active warrior and an embodiment of cosmic power." Sita faced demons - Tiwari also mentioned an incident in which, when Rama is helpless, Sita assumes a fierce form and confronts a demon. He further said, "In these versions, when Rama is helpless, Sita assumes the fierce form of Mahakali and slays Sahasra Ravana, the thousand-headed demon king." About "Ramayana" - Directed by Tiwari, "Ramayana: Rise of a Legend" stars Ranbir Kapoor as Rama, Sai Pallavi as Sita, Yash as Ravana, and Ravi Dubey as Lakshmana. Based on the epic "Ramayana," the film is planned to be made in two parts. The first part was released in theaters on November 5. Its second part is going to be released in 2028.

